डाक पंजीयन नं. 99/2021—23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

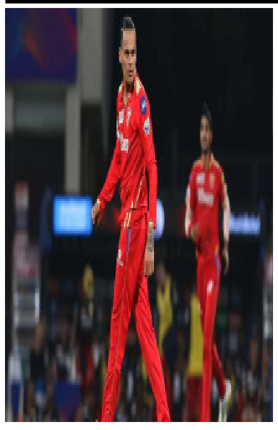

PG-5

PG-5

सिनेमाः कंगना रनोट का पर्दे पर 'धाकड़' अंदाज देखने के लिए बेसब्र हुए फैंस

वर्ष -08 अंक -38 प्रयागराज, बुधवार 13 अप्रैल, 2022 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

भारत में निर्मित विमान आज भरेगा डिब्रूगढ़-पासीघाट के लिए पहली कामर्शियल उड़ान

नई दिल्ली। देश में निर्मित डोनियर 228 विमान मंगलवार को अपनी पहली कामशिर्यल उड़ान भरेगा। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि स्वदेशी विमान की पहली कामशिर्यल उड़ान असम के डिब्रूगढ़ और अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट के बीच होगी। अभी तक डोर्नियर विमानों का प्रयोग सैन्य बलों द्वारा ही किया जाता रहा है। बता दें कि एलायंस एयर ने हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से फरवरी में 17 सीटों वाले डोर्नियर 228 विमान के लिए समझौता किया था। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि उत्तर पूर्व के राज्यों को वायुमार्ग से जोड़ने के लिए आवागमन सुगम करने और संपर्क बढ़ाने के लिए इस विमान की उड़ान असम के डिब्रगूढ़ और अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट के बीच शुरू की जा रही है। एलायंस एयर ने

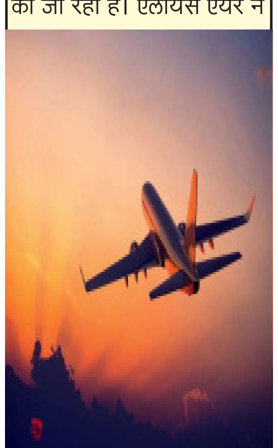

कहा कि वह नागरिक उड्डयन के लिए बने स्वदेशी विमान से कामर्शियल उड़ान का संचालन करने वाली पहली एयरलाइन है। बयान में यह भी बताया गया है कि मंगलवार को ही असम के लीलाबाड़ी में पहले उड़ान प्रशिक्षण संस्थान का भी शुभारंभ होगा। भारत में निर्मित विमान के पहली कामर्शियल उड़ान भरने के समय और उड़ान प्रशिक्षण संगठन के उद्घाटन पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा भी उपस्थित रहेंगे।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनाव में भी भाजपा के आसार.......

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में लगातार दूसरी बार प्रचंड बहुमत के साथ जीत दर्ज करने वाली भारतीय जनता पार्टी का लक्ष्य विधान परिषद सदस्य की 36 सीट है। नौ अप्रैल को मतदान के बाद मंगलवार को परिणाम आएंगे। भाजपा ने 36 में से नौ पर निर्विरोध जीत दर्ज की है जबकि भाजपा को बाकी 27 में से भी कम से कम 25 सीट पर जीत की उम्मीद है। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश विधान परिषद में सबसे बड़ा दल बनकर इतिहास रचने जा रही है। भाजपा अभी भी 35 सदस्यों के साथ विधान परिषद में सबसे बड़ा दल है। नौ को चुनाव से पहले ही नौ सीट पर भाजपा की जीत तय हो गई थी। नौ सीटों पर तो भाजपा पहले ही निर्विरोध जीत हासिल कर चुकी है। 2022 के विधानसभा चुनावों में 273 सीटों के साथ प्रचंड बहुमत में आई भाजपा ने नौ सीटें तो बिना लड़े ही अपने पाले में कर ली हैं। अब बाकी बची 27 में से दो सीटों को छोड़कर बाकी सब भाजपा के खाते में जानी तय है। भाजपा को 36 में से 34 सीट पर जीत मिलेगी तो 100 सदस्य वाले विधान परिषद में भाजपा के पास 71 सदस्य होंगे। योगी आदित्यनाथ 2017 में जब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे, उस समय समाजवादी पार्टी विधान

परिषद में सबसे बड़ा दल था। उसके बाद तो जैसे-जैसे चुनाव होते गए भाजपा आगे निकलती रही। कई बार तो कार्यकाल पूरा होने के कारण तो कभी सपा के सदस्यों के इस्तीफा देने की वजह से विधान परिषद में सीटें खाली होती रहीं जिस पर भाजपा जीतती गई। प्रदेश में 1990 से पहले कांग्रेस विधान सभा के दोनों सदनों में सबसे बड़ी पार्टी हुआ करती थी। अब यह तमगा भाजपा के पास है। आमतौर पर ऐसा माना जाता है कि स्थानीय निकाय प्राधिकार क्षेत्र के इस चुनाव में सत्ता पक्ष की ही जीत होती है। 2004 में मुलायम सिंह यादव जब मुख्यमंत्री थे तब समाजवादी पार्टी 36 में से 24 सीटों पर जीती थी। इसके बाद 2010 में मायावती के शासनकाल में बसपा ने 36 में से 34 सीटों पर कब्जा किया था। अखिलेश यादव के समय भी कुछ नहीं बदला था, 2016 में अखिलेश की समाजवादी पार्टी ने भी 36 में से 31 सीटें जीती थीं। विधान परिषद में 38 सीटें निर्वाचन क्षेत्र की है, 36 सीटें स्थानीय प्राधिकार क्षेत्र की जबकि 8 सीटें शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से आती हैं। इतनी ही सीटें यानि आठ सनतक निर्वाचन क्षेत्र की और दस सीटों पर राज्यपाल मनोनीत करते हैं। अप्रैल और मई में राज्यपाल द्वारा मनोनीत छह सदस्यों का कार्यकाल पूरा हो रहा है। इनमें से मधुकर जेटली, बलवंत सिंह, जाहिद हुसैन, राजपाल कश्यप, संजय लाठर और अरविंद सिंह समाजवादी पार्टी के विधान परिषद सदस्य हैं। इसके बाद भाजपा के ही छह सदस्य ही मनोनीत होंगे। संजय लाठर को अखिलेश यादव ने विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष बनाया है तो ऐसे में पार्टी लाठर को एक बार और विधान परिषद भेज सकती है।

रूस यूक्रेन के बीच वार्ता से ही निकलेगा शांति का रास्ता, मोदी ने बाइडन के साथ बैठक में जताई उम्मीद

नई दिल्ली। यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध की पृष्ठभूमि में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच सोमवार को वर्चुअल बैठक हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा भी कि

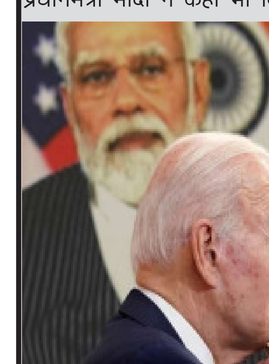

यह बातचीत ऐसे समय हो रही है जब यूक्रेन में हालात बेहद चिंताजनक बने हुए हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच जारी वार्ता से शांति का मार्ग प्रशस्त होगा। बूचा में निदोष नागरिकों की हत्या को चिंताजनक बताते हुए मोदी ने याद दिलाया कि भारत ने न सिर्फ तत्काल इसकी निंदा की, बल्कि निष्पक्ष जांच की मांग भी की। वहीं, बाइडन ने कहा कि इस युद्ध के अस्थिर करने वाले प्रभावों से निपटने के लिए भारत और अमेरिका करीबी विचार-विमर्श जारी रखेंगे। भारत और अमेरिका के बीच भारतीय समयानुसार सोमवार देर शाम लंबी वार्ताओं का दौर शुरू हुआ। चार चरणों में हो रहीं इन वार्ताओं को दोनों देशों के द्विपक्षीय रिश्तों में काफी अहमियत दी जा रही है। पहले चरण में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिका के रक्षा मंत्री लायड आस्टिन के बीच बातचीत हुई जिसमें अमेरिका ने भारत को आश्वस्त किया कि चीन के बढ़ते आक्रामक रवैये के खिलाफ वह पूरी मदद करेगा। बाइडन सरकार बनने के बाद पहली बार उनकी कैबिनेट के किसी वरिष्ठ सहयोगी ने भारतीय सीमा में चीन के अतिक्रमण का मुद्दा उठाया और चीन की तरफ से बनाई जा रहीं ढांचागत सुविधाओं का जिक्र किया। उसके बाद विदेश मंत्री जयशंकर और अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के बीच अलग द्विपक्षीय वार्ता हुई। इन बैठकों के बाद प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति बाइडन के बीच वर्चुअल बैठक हुई। इसमें अपने शुरुआत भाषण में मोदी ने यह भी कहा कि उन्होंने यूक्रेन और रूस के राष्ट्रपतियों से बात की है और उन्होंने रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से सीधे बात करने का सुझाव दिया। बाइडन ने कहा कि वह यूक्रेन के लोगों को भारत की ओर से भेजी गई मानवीय सहायता का स्वागत करते हैं। इस बीच अमेरिकी विदेश विभाग ने अपने आधिकारिक बयान में कहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका भारत-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा और कानून के शासन को बढ़ावा देने के लिए भारत और क्वाड भागीदारों के साथ काम करना जारी रखेगा। चीन की बढ़ती आक्रामकता को लेकर अमेरिका का यह बात बेहद मायने रखता है। अमेरिका ने यह भी कहा कि वह आर्थिक सुधार और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए भारत और क्वाड भागीदारों के साथ काम करता रहेगा।

पीएम मोदी ने पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को दी बधाई, कही ये बातें

नई दिल्ली। पाकिस्तान में लंबे वक्त से चल रहे सियासी घमासान के बाद, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज़

(पीएमएल-एन) के अध्यक्ष शहबाज शरीफ देश के नए प्रधानमंत्री चुने गए। उन्होंने सोमवार को देश के नवनिर्वाचित प्रधान मंत्री के रूप में शपथ ली। पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर बधाई दी है। साथ ही उन्होंने पीएम शरीफ से कई मुद्दों पर अपनी बात रखते हुए, उन्हें कुछ नसीहत भी दी। पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पीएम मोदी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल ट्वीट कर बधाई दी है। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा, 'एच ई मियां मुहम्मद शहबाज शरीफ को पाकिस्तान के प्रधान मंत्री के रूप में चुने जाने पर बधाई। भारत आतंक मुक्त क्षेत्र में शांति और स्थिरता चाहता है, ताकि हम अपनी विकास चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित कर सकें और अपने लोगों की भलाई और समृद्धि सुनिश्चित कर सकें।' वहीं इससे पहले पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज़ (पीएमएल-एन) के अध्यक्ष शहबाज शरीफ ने पीएम पद के लिए चुने जाने के बाद, नेशनल एसेंबली में विदेश नीति को लेकर अपनी बात रखते हुए कहा कि वह भारत के साथ अच्छे संबंध रखना चाहते हैं, लेकिन यह कश्मीर मुद्दे के समाधान के बिना संभव नहीं है। आपको बता दें कि पाकिस्तान के सबसे अधिक आबादी वाले पंजाब प्रांत के तीन बार प्रधानमंत्री रहे चुके शहबाज शरीफ, नवाज शरीफ के छोटे भाई हैं। शहबाज को 342 सदस्यीय सदन में 174 मत मिले थे, जो 172 के साधारण बहुत से दो ज्यादा है।

योगी सरकार 2.0 के लिए पीएम मोदी ने दिया मंत्र अमित शाह संग नए प्रदेश अध्यक्ष सहित संगठन पर मंथन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत के बाद विधान परिषद (स्थानीय निकाय) का चुनाव भी हो गया। बेशक, इसी वर्ष चुनाव नगरीय निकायों के भी होने हैं,

लेकिन भाजपा अब सरकार और संगठन को लोकसभा चुनाव के मोड पर डाल देना चाहती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक सहित प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल की सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात को इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। योगी सरकार 2.0 के लिए पीएम मोदी ने मंत्र दिया है तो अमित शाह के साथ नए प्रदेश अध्यक्ष सहित संगठन के अन्य पदों को लेकर चर्चा हुई है उत्तर प्रदेश में योगी सरकार 2.0 के गठन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और दोनों उपमुख्यमंत्री अलग-अलग दिल्ली जाकर शीर्ष नेतृत्व से पहले ही मिल चुके हैं, लेकिन सोमवार को पहली बार तीनों एक साथ पहुंचे और मोदी-शाह से भेंट की। बताया गया है कि उनके साथ प्रदेश महामंत्री संगठन भी थे। माना जा रहा है कि इस भेंट का उद्देश्य सरकार और संगठन के लिए शीर्ष नेतृत्व का दिशा-निर्देश लेना था। दरअसल, विधान परिषद चुनाव के परिणाम मंगलवार को घोषित हो जाएंगे। इसके साथ ही आचार संहिता हटेगी और सरकार नई योजनाओं पर काम शुरू करेगी। चूंकि अगला लक्ष्य 2024 में होने जा रहा लोकसभा चुनाव है और सर्वाधिक 80 लोकसभा सीटों वाले यूपी में भाजपा 2014 और 2019 वाला ही परिणाम फिर चाहती है, इसलिए सरकार की कायन्योजना उसी के हिसाब से बनाई गई है। इसी संदर्भ में योगी, केशव और पाठक ने पीएम मोदी से मार्गदर्शन लिया है इसके बाद सुनील बंसल सहित इन तीनों ने गृहमंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात की। वहां हुई बैठक में संगठन को लेकर विचार-विमर्श किया गया। सूत्रों के अनुसार, स्वतंत्रदेव सिंह को प्रदेश सरकार में मंत्री बनाए जाने के बाद नए प्रदेश अध्यक्ष को लेकर संभावित नामों पर चर्चा की गई। यूं तो डा. दिनेश शर्मा, श्रीकांत शर्मा, सतीश गौतम, सुब्रत पाठक, बृज बहादुर, विनोद सोनकर, लक्ष्मण आचार्य, विद्या सागर सोनकर सहित कई नाम चल रहे हैं, लेकिन पार्टी के रणनीतिकार जातीय समीकरण के गुणा-भाग में जुटे हैं। ऐसे व्यक्ति को ही प्रदेश की कमान सौंपी जाएगी, जिसके पदासीन होने का सकारात्मक संदेश बड़े मतदाता वर्ग में पहुंचे और लोकसभा चुनाव में भाजपा को लाभ मि इसी तरह प्रदेश उपाध्यक्ष अरविंद कुमार शर्मा, दयाशंकर सिंह और प्रदेश महामंत्री जेपीएस राठौर को योगी सरकार में मंत्री बनाया गया है। पार्टी में एक व्यक्ति, एक पद का सिद्धांत है। ऐसे में इन पदों पर भी अन्य कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जानी है। इसके लिए भी पार्टी का पैमाना यह हो सकता है कि विधानसभा चुनाव में किसने अधिक परिश्रम किया और पार्टी को उसका क्या लाभ हुआ। साथ ही लोकसभा चुनाव में वह व्यक्ति संगठन के लिहाज से कितना उपयोगी साबित हो सकता है।

डिग्रियां देने में देर करने वाले उच्च शिक्षण संस्थानों से यूजीसी नाराज, कार्रवाई की दी चेतावनी

नई दिल्ली। कोर्स पूरा होने के बाद भी डिग्री, मार्कशीट और सर्टिफिकेट देने में देरी करने वाले उच्च शिक्षण संस्थानों को लेकर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने नाखुशी जताई है। साथ ही इन

सभी संस्थानों को यूजीसी रेगुलेशन की याद भी दिलाई है, जिसके तहत कोर्स के पूरा होने के 180 दिन के भीतर ही डिग्री देना जरूरी है। फिलहाल यूजीसी ने ऐसे सभी संस्थानों से छात्रों के हितों को देखते हुए उन्हें तत्काल एक प्रोविजनल डिग्री मुहैया कराने की सलाह दी है पीएम मोदी ने पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को दी बधाई, कही ये बातें यूजीसी ने इस दौरान सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को चेताते हुए कहा कि यदि वह डिग्री देने के लिए तय की गई समय सीमा का पालन नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। यूजीसी ने यह कदम उस समय उठाया है, जब छात्रों की ओर से उन्हें इस संबंध में ढेरों शिकायत मिल रही हैं। जिसमें संस्थानों ने अलग कोर्सों में छात्रों को दाखिला तो दिया था। जिसकी परीक्षा भी हो गई, लेकिन उन्हें इसकी डिग्री देने में देरी की जा रही है। छात्रों ने यूजीसी को भेजी अपनी शिकायत में कहा है कि डिग्री मिलने में देरी के चलते वह किसी भी दूसरे कोर्स में न तो दाखिला ले पा रहे है न ही नौकरी के लिए कहीं आवेदन कर पा रहे हैं। फिलहाल यूजीसी ने छात्रों की शिकायतों को गंभीरता से लिया है। यूजीसी सचिव रजनीश जैन ने इस संबंध में सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और कालेजों के प्राचार्यों को सख्त पत्र लिखा है। जिसमें छात्रों की शिकायतों का भी जिक्र करते हुए कहा कि संस्थानों का यह रवैया ठीक नहीं है। यूजीसी रेगुलेशन के तहत किसी भी कोर्स के पूरा होने के 180 दिन के भीतर डिग्री अवार्ड कर दी जानी चाहिए। यूजीसी का कहना है कि छात्रों की ओर से इस संबंध में मिली सभी शिकायतों की वस्तुस्थिति की जानकारी भी ली जा रही है।

अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग और प्रगाढ़ करेंगे भारत व अमेरिका

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग को और प्रगाढ़ करने का फैसला हुआ है। सोमवार को वाशिंगटन में दोनों देशों के बीच टू प्लस टू

वार्ता (दोनों देशों के विदेश और रक्षा मंत्रियों की बैठक) के बाद इस बारे में एक अहम समझौते पर हस्ताक्षर होने हैं। दोनों ओर दी गई जानकारी के मुताबिक यह समझौता एक दूसरे के सेटेलाइट को सुरक्षित बनाने के संबंध में है। टू प्लस टू वार्ता के बाद संयुक्त बयान में भी अंतरिक्ष क्षेत्र में व्यापक सहयोग के बारे में बताया जाएगा। वर्ष 2019 और वर्ष 2020 में हुई टू प्लस टू वार्ता में भी अंतरिक्ष सहयोग एक व्यापक एजेंडा रहा था। उन वार्ताओं की वजह से ही अब एक दूसरे को सेटेलाइट की जानकारी साझा करने संबंधी 'द स्पेस सिचुएशनल एवरनेस मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग' पर हस्ताक्षर होंगे। जो बाइडन की सरकार बनने के बाद भारत और अमेरिका के बीच किया जाने वाला यह सबसे अहम समझौता होगा। इस समझौते के बाद दोनों देश एक दूसरे के सेटेलाइट के लिए उत्पन्न किसी भी खतरे के बारे में प्राथमिकता के तौर पर जानकारी साझा करेंगे। अंतरिक्ष में फैले तमाम तरह के मलबे की जानकारी देंगे। इस मलबे की वजह से सेटेलाइटों को खतरा रहता है।

कुएं में गिरने से विक्षिप्त युवक की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर (प्रयागराज)। फूलपुर क्षेत्र के पूरे भुलई गांव स्थित हनुमानगढ़ी मंदिर के पुराने कुएं में विक्षिप्त युवक के गिरने से मौत हो गई, सोमवार सुबह जब मंदिर की साफ सफाई कर फूल को कुएं में फेंकने गए युवक ने देखा तो युवक की लाश कुएं के पानी में तैर रही थी।सूचना पर पहुंची इफको पुलिस चौकी की पुलिस व फायर बिग्रेड के कर्मचारियों ने घंटों मशक्कत के बाद शव को निकालने में कामयाब हुए। सराय इनायत थाना अंतर्गत लोढवा गांव निवासी मोहम्मद आजम 35 जो काफी अर्से से मानसिक रूप से विक्षिप्त था। और पूरे भुलई स्थित सैयद शाह सिकंदर भुलई बाबा की मजार पर रहता था। ग्रामीणों ने बताया कि वह गांव वालों के द्वारा दिए गए भोजन से ही अपना गुजारा करता था। दिन भर घूम टहल कर रात को मजार में ही सो जाया करता था। सोमवार सुबह हनुमानगढ़ी मंदिर के कुएं में मिली लाश से उसकी पहचान हुई तो क्षेत्र में हड़कंप मच गया।उसके गांव लोढवा भी सूचना भिजवा दी गई। परंतु घर से कोई नहीं आया। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि कमलेश कुमार यादव, समाजसेवी जगदेव प्रसाद चौधरी, रामनरेश आदि ने पुलिस को सूचित करते हुए घंटों मशक्कत के बाद उसकी लाश कुएं से निकलवाये। बता दें कि हनुमानगढ़ी मंदिर का कुआं काफी अर्से से पानी ना होने के कारण पड़ा हुआ है। जिसमें मंदिर से निकले हुए चढ़ावे के फूल उसी में फेंका जाया करता है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कुएँ में जहरीली गैस होने की आशंका से कोई भी पुलिसकर्मी या गांव का युवक कुएं में उतरकर शव निकालने के लिए राजी नहीं हो रहे थे। जिस कारण सुबह से सूचना मिलने के बाद करीब दो बजे इफको से आए क्रेन के द्वारा एक साहसी युवक ने कुएं में जाकर शव को किसी तरह बाहर निकाला। इफको पुलिस चौकी के सिपाही अर्जुन यादव, सर्वजीत सिंह तथा फायर बिग्रेड के कर्मचारियों ने शव को निकालने में कामयाब हो ही गए।

मतगणना हेतु मजिस्ट्रेटों को किया गया तैनात

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र में उत्तर प्रदेश विधान परिषद सदस्य की मतगणना दिनांक 12 अप्रैल 2022 को प्रातः 8 बजे से क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम कोठी में होगी। मतगणना को सकुशल एवं शांतिपूर्ण सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी डा0 नितिन बंसल ने विभिन्न स्थलों पर अधिकारियों/मजिस्ट्रेट को तैनात कर दिया है। उन्होंने मतगणना स्थल अफीम कोठी के उत्तरी दिशा में कटरा- प्रतापगढ़ बैरियर मार्ग पर तहसीलदार (न्यायिक) सदर धीरेन्द्र कुमार, डीसी मनरेगा इन्द्रमणि तिवारी को, मतगणना स्थल अफीम कोठी के दक्षिणी दिशा में प्रतापगढ़-कटरा बैरियर मार्ग पर तहसीलदार पट्टी मनोज कुमार व डीसी एन0 आर0 एल0 एम0 डा0 नागेन्द्र नारायण को, मतगणना स्थल अफीम कोठी के मुख्य द्वारा गेट नं0-1 पर उपजिलाधिकारी (न्यायिक) सदर को, मतगणना स्थल में अफीम कोठी परिसर में कार्मिकों व एजेण्टों के मतगणना हॉल में जाने वाले स्थल हेतु बने बैरियर पर अपर उपजिलाधिकारी (प्रथम) डीपी सिंह को, मतगणना स्थल अफीम कोठी में एजेण्टों के मतगणना हॉल में प्रवेश करने वाले गेट पर अपर उपजिलाधिकारी (द्वितीय) राम नारायण को व मतगणना स्थल अफीम कोठी में मतगणना हॉल के पीछे उपजिलाधिकारी (न्यायिक) पट्टी संगम लाल को नियुक्त किया है। मतगणना के अवसर पर शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु पुलिस अधिकारी एवं पुलिस बल/पीएसी बल तैनात रहेगें।

रामपुर कल्हवारी में प्रधान और ग्राम पंचायत अधिकारी की मनमानी,सरकारी धन की लूट

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। विकास खंड लक्ष्मणपुर के रामपुर कल्हवारी की ग्राम प्रधान उर्मिला यादव पतने विवेक यादव और ग्राम पंचायत अधिकारी आशा पाल की मनमानी से जहाँ ग्रामीणों को शासन की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है, वहीं शासन के धन का इन दोनों के द्वारा लूट की जा रही है।शासन के धन की लूट की नई-नई तरकीबों में महारत प्राप्त इस ग्राम पंचायत की ग्राम पंचायत अधिकारी आशा पाल ग्राम प्रधान से मिलीभगत करके आम आदमी के हक के धन को लूटने में लिप्त हैं।इनके कार्य में एडीओ पंचायत की सह इनके मनोबल को बढ़ाने का काम करती है।यह आरोप है इस गाँव के निवासी अभिषेक प्रताप सिंह का जिन्होंने जिलाधिकारी को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत अधिकारी द्वारा खलिहान समतलीकरण के नाम पर मनरेगा मजदूरों के अधिकारों का हनन किया जा रहा है।उन्होंने आरोप लगाया है कि गाटा संख्या 108 में कार्य क्रमांक संख्या 3144 00 7063 / एलडी/ 9584 86 2558 2370 6405 को जेसीबी द्वारा समतल कराया जा रहा है।इससे मनरेगा मजदूरों के अधिकारों का हनन हो रहा है। उनका कहना है की जेसीबी से कार्य करवा कर बाद में ग्राम पंचायत अधिकारी मनरेगा मजदूरों की फर्जी उपस्थिति दिखाकर अधिकतम दिनों का काम दिखाकर पैसा खारिज कर लेती हैं।यही नहीं मजदूरों के खाते में गए पैसे को ग्राम पंचायत अधिकारी और प्रधान महोदया उन्हें दो चार रूपये देकर बाकी का धन स्वयं की जेब में डाल लेती हैं।इससे इन मजदूरों का शोषण हो रहा है। ग्रामीणों का आरोप है लगभग 10 महीने से इस ग्राम पंचायत की ग्राम पंचायत अधिकारी ग्राम प्रधान से मिलकर ऐसा ही खेल खेल कर शासन के धन का दुरुपयोग कर रही है।गरीबों और कमजोरों को उनके अधिकार से वंचित कर रही है और अपनी जेब भरने में वह मशगूल है।इस ग्राम पंचायत अधिकारी के विरुद्ध पहले भी ग्रामीणों ने कई बार शिकायतें की लेकिन प्रशासन कि कान पर जूँ नहीं रेंग रही है।राजनीतिक संरक्षण प्राप्त यह ग्राम पंचायत अधिकारी कई गाँव में तैनात है और हर गाँव में ऐसे ही खेल खेल कर भारी भरकम कमाई कर रही है।कुछ महीने पहले इस ग्राम की रोजगार सेवक ने आरोप लगाया था कि मस्टररोल पर उसके हस्ताक्षर नहीं करवाए जाते।एडीओ पंचायत की मिलीभगत से ब्लॉक में बिना उसके हस्ताक्षर के मस्टररोल जमा कर दिया जाता है और प्रधान और ग्राम पंचायत अधिकारी मनमाने ढंग से फर्जी ढंग से कार्य दिखाकर पैसे का लेन देन करते करवाती रहती है।एक ओर योगी सरकार भ्रष्टाचार के विरुद्ध बुलडोजर चलवा रही है तो वहीं इस विकास खंड में ऐसे भ्रष्ट ग्राम पंचायत अधिकारियों के विरुद्ध इस सरकार का बुलडोजर क्यों नहीं चल रहा है यह आम जनता की जुबान पर है। अभिषेक सिंह का कहना है इस ग्राम का प्रधान पति विवेक यादव जातीय जहर और उन्माद घोलने में भी माहिर है।वह अपने आप को अखिलेश यादव का करीबी बताते हुए सवर्णों को गाली देता रहता है जिससे उसके खिलाफ ग्रामीण शिकायत करने से भी डरते रहते हैं। उसका सवर्णों को गाली देने का वीडियो भी कुछ महीने पहले वायरल हो चुका है।

नव दुर्गा मूर्ति विसर्जन की भव्य शोभायात्रा निकाली गई

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। चैत्र नवरात्रि में नौ दिन पण्डालों में पूजन के बाद डेरवा क्षेत्र में नवदुर्गा पूजा विसर्जन के दिन भक्त लोग नृत्य करते हुए आगे बढ़ रहे थे। शोभायात्रा नई बाजार, पुरानी बाजार, रामगढ़, पश्चिम टोला, अग्रहरि धर्मशाला, राजा भैया मार्केट, पंडा मोहल्ला, होते हुए.

लोगों द्वारा गाजे बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा में रामधुन पर गीत संगीत से वातावरण भक्तिमय रहा।हर तरफ भगवान राम एवं माँ दुर्गा के जयकारों की गूँज सुनाई पड़ रही थी।दोपहर में धूमधाम से यह शोभायात्रा निकाली गई।शोभायात्रा में भक्त लोग अबीर गुलाल उड़ा रहे थे।माँ दुर्गा वाहन के पीछे-पीछे भदेश्वर पेट्रोल पंप से वापस होकर ऊपरी जिल्ला, सराय इंद्रावत, गोकुला होते हुए रैनी तालाब पहुँची जहाँ मूर्तियों का मंत्रोच्चारण के साथ विसर्जन किया गया। इस मौके पर क्षेत्र से हजारों की संख्या में व्यापारी व भक्तगण उपस्थित रहे। सुरक्षा की कमान चौकी प्रभारी ने सँभाल रखी थी।

कोड़ापर में नवरात्रि के समापन अवसर पर झांकी के साथ निकला जुलूस

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर (प्रयागराज)। फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के कोड़ापर गांव से रविवार देर शाम नवरात्रि के समापन अवसर पर भव्य झांकी वा डीजे बैंड बाजे के साथ विशाल जुलूस ब्लाक प्रमुख फूलपुर बिपेंद सिंह पटेल जुलूस कोड़ापर गांव से निकल कर भमईहुसाम गंज कमली तिराहा होते हुए दीवानगंज पहुंचा जहा उत्साहित भक्तो ने झांकी का स्वागत करते हुए देवी के विभिन्न रूपों का दर्शन कर फूल माला वा प्रसाद चढ़ा कर पूजन अर्चन किए झांकी वापस दरियापुर श्रीराम जानकी मंदिर पहुंच

के नेतृत्व में निकाला गया जिसमे भक्तो में जबरजस्त उत्साह दिखाई दिया । समाज सेवी श्याम बाबू गुप्ता ने उक्त झांकी और जुलूस के व्यवस्था में अपने टीम के साथ जुटे रहे झांकी के कलाकारों ने जहा माता के विभिन्न स्वरूपों का दर्शन कराया वही मां काली दुर्गा के रूपों पर अपने कलाओं प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया । झांकी कर प्रसाद के साथ समाप्त हुई झांकी और जुलूस में शांति और सुरक्षा व्यवस्था के क्षेत्रीय पुलिस के हल्का एस आई माजिद खान के साथ पुलिस टीम जमी रही। मौके पर भाजपा के फूलपुर मंडल अध्यक्ष आलोक गुप्ता,वरुणा मंडल अध्यक्ष समर जीत मौर्य , पूर्व प्रधान संघ अध्यक्ष जगदीश गुप्त,मोनू गुप्ता,सौरभ गुप्ता,सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

पशुओं टीकाकरण कार्यक्रम का किया गया प्रारम्भ

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। पशु चिकित्साधिकारी सदर में जनपद के समस्त विकास गोवंशीय एवं महिषवंशीय मादा पशुओं जिनकी उम्र 04-08 माह है को दिनांक 10 मई 2022 तक ब्रुसेल्लोसिस टीकाकरण का कार्य

खण्डों में गोवंशीय एवं महिषवंशी मादा पशुओं के वैक्सीनेशन कराये जाने हेतु उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सदर डा0 नरेश चन्द्र वर्मा द्वारा हरी झण्डी दिखाकर शुभारम्भ किया गया। जनपद के समस्त 17 विकास खण्डों में पूर्ण कराया जायेगा। इस अवसर पर डा0 अशोक कुमार वर्मा, डा0 राजेश कुमार (नोडल अधिकारी ब्रुसेल्लोसिस), डा0 पंकज सिंह एवं राधेश्याम, अशोक कुमार मिश्र, राजाराम गौतम, वेटनरी फार्मासिस्ट तथा अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रयागराज में भाजपा के डाक्टर केपी श्रीवास्तव के सिर बंधा जीत का ताज

प्रयागराज। इलाहाबाद स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र में हुए चुनाव के मतों की गणना समाप्त हो चुकी है। जीत का ताज भाजपा प्रत्याशी डाक्टर केपी श्रीवास्तव के सिर बंधा। उन्होंने सपा के उम्मीदवार व मौजूदा विधान परिषद सदस्य वासुदेव यादव को शिकस्त दी है। वासुदेव यादव इससे पहले लगातार दो बार जीत दर्ज करने में सफल हुए थे। इस बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा एमएलसी का चुनाव नौ अप्रैल को प्रयागराज और कौशांबी के 33 बूथों पर हुआ था। इस चुनाव में सपा से वासुदेव यादव और भाजपा से डा. केपी सिंह के बीच टक्कर थी। तीन प्रत्याशी निर्दलीय भी थे। इसमें 97.96 फीसद मतदान हुआ था। कुल 5104 वोटरों में पांच वोटरों ने अपने मत का प्रयोग किया था। मतगणना के लिए प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है। तहसील सदर के सभागार में कड़ी सुरक्षा के बीच 10 टेबल पर मतों की गणना शुरू हो रही है। इस चुनाव का नतीजा बताएगा कि जनप्रतिनिधियों में दलों की लोकप्रियता की कितनी है। परिणाम को लेकर प्रत्याशियों की धड़कनें थमी हुई हैं। दोपहर तक रुझान से स्पष्ट हो जाएगा कि सपा की वापसी हो रही है या ताज किसी और के सिर बंध रहा है। भाजपा के डा. केपी श्रीवास्तव व सपा के

वासुदेव यादव पर लोगों की निगाह टिकी है। मतगणना की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी होगी। मजिस्ट्रेट और क्षेत्राधिकारी की तैनाती के साथ-साथ सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम है। मतगणना स्थल के चारों तरफ भ्रमण कर व्यवस्था का जायजा लिया तथा पीने योग्य पानी सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं करने को कहा। 10 टेबल पर मतों की गणना हो रही है। कुल 33 मतपेटी है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.**प्रमाण पत्रः-** सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते हैं तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 15 अप्रैल 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

प्रदेश में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना प्रारम्भ,25 अप्रैल तक करें आवेदन

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। उपायुक्त उद्योग दिनेश कुमार चौरसिया ने बताया कि प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना प्रारम्भ की गई है इसके अन्तर्गत जनपद प्रतापगढ़ में दर्जी, कुम्हार, लोहार, हलवाई, ट्रेडों में 06 दिवसीय प्रशिक्षण हेतु अभ्यर्थी वेबसाइट पर आनलाइन आवेदन 25 अप्रैल तक कर सकते है। आवेदक की आयु 18 वर्ष या उससे अधिक हो तथा आवेदक पारम्परिक कारीगरी दर्जी, कुम्हार, लोहार, हलवाई के क्षेत्र में कार्य करता हो।चयनोपरान्त लाभार्थी को 06 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण तथा टूलकिट प्रदान किया जायेगा। उन्होंने बताया कि उ0प्र0 सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 के अन्तर्गत एक जनपद एक उत्पाद कार्यक्रम के अन्तर्गत कौशल विकास हेतु एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण टूलकिट योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के अन्तर्गत जनपद के चिन्हित उत्पादऑवला उत्पाद(खाद्य प्रसंस्करण) से जुड़े अकुशल कारीगरों को 10 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान कराये जाने के साथ ही साथ उन्हें विभाग द्वारा निर्धारित मानदेय व टूलकिट भी प्रदान किया जायेगा। इच्छुक अभ्यर्थी इस योजना हेतु 25 अप्रैल तक वेबसाइट पर आनलाइन आवेदन कर सकते है। उन्होने "एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण टूलकिट" योजना की पात्रता के सम्बन्ध में बताया है कि प्रशिक्षार्थी की आयु 18 वर्ष से कम न हो, प्रशिक्षार्थी जनपद का मूल निवासी हो, शैक्षिक योग्यता की कोई बाध्यता नही है, आवेदन द्वारा भारत सरकार अथवा प्रदेश सरकार की अन्य किसी योजनान्तर्गत उत्पाद से सम्बन्धित टूलकिट का लाभ विगत दो वषी में प्राप्त न किया हो, आवेदक के परिवार का कोई एक सदस्य ही लाभ प्राप्त कर सकते है। आवेदन से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की जानकारी के लिये मोबाइल नम्बर 7007923607 पर या किसी भी कार्य दिवस पर पूर्वान्ह 10 बजे से अपरान्ह 5 बजे तक कार्यालय में सम्पर्क कर सकते है। विस्तृत जानकारी के लिये किसी भी कार्य दिवस में उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र प्रतापगढ़ में सम्पर्क कर सकते है। अभ्यर्थी वेबसाइट पर आनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

एनएसयूआई प्रयागराज ने आयोजित की नवरात्रि रमजान स्पेशल टूर्नामेंट

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन एनएसयूआई प्रयागराज ने

नवरात्रि और रमजान के इस पवित्र महीने में नवरात्रि रमजान स्पेशल कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के ग्राउंड में करवाया जिसमें कई टीमों ने प्रयागराज के शानदार कबड्डी कोच अर्जुन सर व स्पोर्ट्स कोच दिनेश पाल के मार्गदर्शन में प्रतिभाग किया और अंतिम मैच में ईश्वर डिग्री कॉलेज योद्धा टीम ने अम्बेडकर हास्टल को 77:31 से हरा कर खिताब अपने नाम किया। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष अक्षय यादव क्रांतिवीर ने कहा कि छात्रों युवाओं में पढ़ाई के साथ उनके अंदर के अन्य हुनर को बाहर लाने के लिए हमें प्लेटफार्म देने और खिलाड़ियों को आगे बढाने में सहयोग करने की जरूरत है जो एनएसयूआई ने की और आगे करती रहेगी। कमलेश सोनकर ने कहा कि एनएसयूआई खिलाड़ियों को हर सम्भव सहयोग करेगा जिससे वह अपने को निखारे। कबड्डी कोच अर्जुन सर ने कहा कि हम बेहतर कर सकते है हमारी निर्देशन में कई प्रदेशों में हम मैच खेलते रहें सरकार व लोगों का सहयोग रहेगा तो हमारी टीम राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में खेलकर प्रयागराज व देश का मान सम्मान बढ़ाएगी। साथ ही एनएसयूआई का आभार जताया। कार्यक्रम में कमलेश सोनकर,चंद्रशेखर अधिकारी, अमित द्विवेदी,विजय सिंह,कुंदन सिंह,शुभम चौरसिया, अनिल रावत,अनिल यादव,सागर सोनकर,लाइन मैन धृति , माही, नेहा,स्कोरर :आंशी सिंह,रेफरी:नवीन, सौरभ इत्यादि लोगों ने भरपूर सहयोग किया।

आजमगढ़ से निर्दलीय विक्रांत सिंह रिशू 4076 मत पाकर जीते

आजमगढ़/मऊ। सुबह आठ बजे से मतों की गिनती मतगणना केंद्र पर सुबह 11 बजे के पूर्व ही पूरी हो गई। एमएलसी चुनाव-2022 का परिणाम मंगलवार को दोपहर तक आने की पहले संभावना थी लेकिन टीम की सक्रियता की वजह से परिणाम पहले ही आ गई। विधानसभा चुनाव में सभी 10 सीटों पर जीत दर्ज करने वाली समाजवादी पार्टी का तिलस्म टूट गया। भाजपा जहां सपा के पाले से उम्मीदवार लेकर आई तो हार का सामना करना पड़ा तो वहीं पूर्व एमएलसी यशवंत सिंह के पुत्र विक्रांत सिंह रिशू जीते तो निर्दलीय प्रत्याशी के जीतने का पहली बार रिकार्ड बन गया। सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू हुई तो भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी उम्मीदवारों के अलावा निर्दल उम्मीदवारों के दिलों की धड़कन भी बढ़ गई थी। आजमगढ़ में निर्दलीय विक्रांत सिंह रिशू जीते :आजमगढ़ -मऊ स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद सदस्य (एमएलसी चुनाव- 2022) का चुनाव परिणाम मंगलवार को दिन में 11 बजे तक आ गया। भाजपा के बागी प्रत्याशी और एमएलसी यशवंत सिंह के पुत्र निर्दलीय प्रत्याशी विक्रांत सिंह रिशू 4076 मत पाकर विजयी हुए। जबकि भाजपा के अरुणकांत यादव को 1262 और सपा के राकेश कुमार यादव को 356 मत मिले हैं।

निर्दलीय अंबरीश को मात्र 13 और सिकंदर कुशवाहा को तीन मत ही प्राप्त हो सके। एफसीआइ गोदाम बेलइसा में हो रही मतगणना के लिए कुल 14 टेबल लगाए गए थे। एक टेबल पर मतगणना पर्यवेक्षक, दो मतगणना सहायक और एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी वोटों की गिनती में लगे थे। आजमगढ़ व मऊ जिले को मिलाकर कुल 98.42 फीसद वोट पड़े थे। दोनों जिलों के 34 बूथों पर कुल 5948 में 5854 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। जिसमें आजमगढ़ में 4238 में 4162 (98.21 फीसद) और मऊ में कुल 1710 में 1692 (98.95 फीसद) मत पड़े थे। इस बार के चुनाव का नतीजा दिलचस्प रहा। भाजपा से फूलपुर-पवई विधानसभा क्षेत्र के सपा विधायक रमाकांत यादव के पुत्र और इसी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के पूर्व विधायक अरुण कुमार यादव, सपा से पूर्व विधान परिषद सदस्य राकेश कुमार यादव गुड्डू और एमएलसी यशवंत सिंह के पुत्र विक्रांत सिंह रिशू निर्दल प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़े थे। जबकि दो अन्य निर्दल प्रत्याशी अंब्रेश और सिकंदर प्रसाद कुशवाहा ने भी भाग्य आजमाया था। यह है व्यवथा : जिस मत पत्र पर अंक 1 चिह्नित नहीं किया गया होगा, वह होगा, अंक 1 को एक से अधिक प्रत्याशी के नाम के सामने चिह्नित किया गया हो। अंक 1 को इस प्रकार चिह्नित किया गया हो कि इससे इस बारे में संदेह हो कि यह किस प्रत्याशी के लिए है। अंक 1 और कुछ अन्य अंक यथा 2, 3 आदि एक ही प्रत्याशी के सामने चिह्नित किया गया हो। अधिमान को अंक के बजाय शब्दों में दर्शाया गया हो। कोई चिह्न या लिखावट जिससे निर्वाचक की पहचान की जा सकती है। रिटर्निंग अफसर द्वारा दिए गए बैगनी स्केच पेन से भिन्न किसी चीज से अंक चिह्नित किया गया हो। आजमगढ़-मऊ स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद सदस्य (एमएलसी चुनाव-2022) के लिए पड़े मतों की गिनती एफसीआइ गोदाम बेलइसा में मंगलवार की सुबह आठ बजे से शुरू हो गई। सोमवार को नेहरू हाल में मतगणना पर्यवेक्षक, मतगणना सहायक एवं माइक्रो आब्जर्वर को प्रशिक्षण दिया गया। बताया गया कि कुल वैध प्राप्त मत का आधा और एक मत पाने वाला होगा विजेता एडीएम प्रशासन अनिल कुमार मिश्रा ने बताया कि मतगणना स्थल पर मोबाइल फोन प्रतिबंधित रहेगा। मतगणना कार्मिकों को निर्देश दिया कि भारत निर्वाचन आयोग के मतगणना संबंधी निर्देशों का अक्षरशः पालन करें। सहायक नोडल अधिकारी प्रशिक्षण इंजीनियर कुलभूषण सिंह ने बताया कि सबसे पहले बैलेट बाक्स मतगणना टेबल पर लाया गया। उसकी सील एवं मतपत्र लेखा को चेक करने के बाद काउंटिंग एजेंट की उपस्थिति में बैलेट बाक्स खोला गया। बैलेट बाक्स खोलकर सारे मतपत्र निकाल लिए जाएंगे, उसके बाद खाली बैलेट बाक्स को सभी के सामने प्रदर्शित किया गया। बैलेट बाक्स से निकाले गए मतपत्रों की गणना के बाद मतपत्र लेखा में उल्लिखित मतपत्रों की संख्या से मिलान किया गया। मतपत्रों का मिलान करने के बाद मतपत्र लेखा भाग-2 में मतपत्रों की संख्या को रिकार्ड किया गया। मतपत्रों की गणना के बाद सारे मतपत्रों को आपस में मिला दिया गया। उसके बाद समस्त मतपत्रों की स्क्रूटनिंग की गई, जिसमें वैध एवं अवैध मतपत्रों को प्रथम अधिमान के अनुसार छांटा गया। वैध एवं अवैध मतों की संख्या का अंकन कारण सहित एनेक्जर 12-डी पर आरओ लिखेंगे। मतपत्र अवैध करने से पहले सभी एजेंट को मतपत्र देखने के लिए पर्याप्त समय दिया गया। सभी प्रथम वरीयता प्राप्त वैध मतपत्र प्रत्याशीवार छांटकर मतों की गणना की गई।

भाजपा के डा. रतन पाल सिंह भारी मतों से चुनाव जीते, डा. कफील खान को दी मात

देवरिया। कुशीनगर-देवरिया स्थानीय प्राधिकारी क्षेत्र की मतगणना ढाई घंटे में पूरी कर ली गई। कुल 5424 मतों में भाजपा के डा. रतन पाल सिंह को प्रथम वरीयता के 4255 मत मिले, जबकि सपा के डा.कफील खान को महज 1031 मत से संतोष करना पड़ा। भाजपा प्रत्याशी का जीतना तय माना जा रहा है। उप जिला निर्वाचन

अधिकारी कुंवर पंकज का कहना है कि फार्मूला के जरिए हार जीत का फैसला किया जाएगा। आठ टेबल पर चार-चार यानी कुल 32 मतदान केंद्रों की गणना हुई। टेबल नंबर एक कुल 809 मतों में भाजपा के डा.रतन पाल सिंह को प्रथम वरीयता के 630 मत प्राप्त हुए, जबकि सपा के डा.कफील खान को 155, मुक्तिनाथ सिंह को तीन, विनय प्रकाश श्रीवास्तव को शून्य, आफताब आलम को एक, शैलेश कुशवाहा को तीन मिले। 17 मत अस्वीकार कर दिए गए। टेबल नंबर दो पर कुल 792 मतों में भाजपा के डा. रतन पाल सिंह को प्रथम वरीयता के 640 मत मिले। जबकि डा.कफील खान को 133, मुक्तिनाथ सिंह को एक, विनय प्रकाश श्रीवास्तव को शून्य, आफताब आलम को शून्य, शैलेश कुशवाहा को दो मत मिले। 16 मत अस्वीकार कर दिए गए। टेबल नंबर तीन पर कुल 509 मतों में भाजपा के डा.रतन पाल सिंह को प्रथम वरीयता के 357, सपा के डा.कफील खान को 131, मुक्तिनाथ सिंह को दो, विनय प्रकाश श्रीवास्तव व आफताब आलम को शून्य, शैलेश कुशवाहा को नौ मत मिले। 10 मत अस्वीकार कर दिए गए। टेबल नंबर चार पर कुल 734 मतों में भाजपा के डा.रतन पाल सिंह को प्रथम वरीयता के 467 मत मिले, जबकि सपा के डा.कफील खान को 146, मुक्तिनाथ सिंह को पांच, विनय प्रकाश श्रीवास्तव व आफताब आलम को शून्य, शैलेश कुशवाहा को तीन मत मिले। 13 मत अस्वीकार कर दिए गए। टेबल नंबर पांच पर कुल 737 मतों में भाजपा के डा.रतन पाल सिंह को प्रथम वरीयता के 593, सपा के डा.कफील खान को 129 मत मिले। टेबल नंबर छह पर कुल 750 मतों में भाजपा के डा.रतन पाल सिंह को प्रथम वरीयता का 586 व सपा के डा.कफील खान को 144 मत मिले। टेबल नंबर सात पर कुल 521 मतों में भाजपा के डा.रतन पाल सिंह को प्रथम वरीयता के 422 व सपा के डा.कफील खान को 89 मत मिले। टेबल नंबर आठ पर कुल 572 मतों में भाजपा के डा.रतन पाल सिंह को प्रथम वरीयता के 460 व सपा के डा.कफील खान को 104 मत मिले।

बलिया मे भूत प्रेत को लेकर खूनी जंग मे हुई महिला की मौत,चार गम्भीर रूप से जख्मी

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया। जिले के बांसडीहरोड थाना क्षेत्र के मझौली गांव में बीती देर रात भूत प्रेत के विवाद में लाठियां चलने से वृद्ध महिला की मौत हो

गई,जबकि चार लोग घायल हो गए।एक घायल को चिकित्सकों ने वाराणसी रेफर कर दिया।बताया जाता है कि रामदेव चौहान के घर बीती देर रात पूजा अर्चना की जा रही थी।इसी बीच कुछ लोगों ने लाठी-ठंडे से हमला कर दिया। इसमें इसमें पंचरतनी देवी (65) पत्नी रामदेव चौहान, रामदेव चौहान (70), श्रवण कुमार चौहान (30), सुनीता देवी (37) पतनी सरोज चौहान व सरोज चौहान (39) गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान पंचरतनी देवी की मौत हो गई। श्रवण कुमार चौहान की हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने वाराणसी रेफर कर दिया। इस मामले में पुलिस ने सरोज चौहान की तहरीर पर 14 नामजद व एक अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी बिरेंद्र कुमार मिश्र ने बताया कि छह लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

जहरखुरानी का संकट खत्म रोडवेज में मिलेगा जलपान

आजमगढ़। रोडवेज बसों से सफर करने वालों के सामने अब तक भूख मिटाने का संकट था। वह कहीं से आकर उतरते थे, तो परिसर के बाहर की दुकानों पर जाकर कुछ खाते थे अथवा फुटपाथ की दुकानों पर पहुंचते थे। इससे जहरखुरानी का शिकार होने की आशंका बनी रहती थी, लेकिन वह संकट अब जल्द दूर होने वाला है। रेलवे स्टेशन की तरह अब रोडवेज पर यात्रियों को बेहतर जलपान व फल मिलेगा। रोडवेज के स्टाल पर कुछ खाने के बाद कुछ हुआ, जो जवाबदेही तय की जाएगी। इसके लिए परिवहन निगम ने सभी डिपो को आदेश जारी कर दिया है। इस प्रक्रिया को पूरा करने में क्षेत्रीय प्रबंधक अध्यक्ष, सेवा प्रबंधक व सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक सदस्य होंगे। इसके लिए डिपो परिसर में जगह का टेंडर किया जाएगा। एक लाख लाइसेंस शुल्क रखा गया है। स्टाल की अवधि तीन साल होगी। प्रत्येक अगले वर्ष में दस फीसद शुल्क में वृद्धि की जाएगी। बस स्टेशन पर अनुमन्य स्थाई स्टाल जलपान गृह, जनरल मर्चेंट, बुक स्टाल, फल का स्टाल प्रत्येक डिपो में अनिवार्य रूप से होगा। इसके अलावा साइकिल, स्कूटर, कार पार्किंग स्टैंड। मोबाइल फोन, इलेक्ट्रानिक्स गुड्स, बिजनेस सेंटर, एचपीएमसी तथा पंजाब एग्रो के जूस यूनिट। पराग दूध व गुजरात को-आपरेटिव मिल्क मार्केटिग फेडरेशन लिमिटेड के अमूल मिल्क पार्लर आदि शामिल होंगे। अत्यंत छोटे बस स्टेशन पर

एक ही स्टाल होगा, जहां से प्रतिदिन 30 से कम बसों का प्रस्थान होता है। ऐसे स्थलों पर पांच स्टालों को मिलाकर एक स्टाल होगा। संचालक के जिम्मे संपूर्ण बस स्टेशन की साफ-सफाई के अलावा शौचालय की सफाई भी होगी। डिपो पर पान, पान मसाला आदि पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। बस स्टेशनों में यात्रियों की सुविधा के लिए जलपान आदि की व्यवस्था के लिए स्टाल लगाया जाएगा। इसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जल्द ही मूर्त रूप ले लेगा।

चिकित्सा व्यवसाय नहीं, सेवा का सशक्त माध्यम

रसड़ा (बलिया) । ग्रामीण चिकित्सक कल्याण समिति बलिया एवं गंगा सेवा सदन हास्पिटल वाराणसी के चिकित्सकों की बैठक रविवार की शाम श्रीनाथ बाबा उत्सव वाटिका में डा. हरेंद्र सिंह की अध्यक्षता में हुई। इसमें असहाय मरीजों का कम से कम खर्च में उपचार करने के साथ ही संगठन को सशक्त बनाने पर विचार-विमर्श किया गया। डा.राकेश मौर्या, डा. प्यारे मोहन, कमलेश सिंह, डा.रामबाबू, डा.राजू राजभर, डा.विकास सिंह, डा.रंगलाल प्रजापति, डा.हरेंद्र सिंह व डा.राजेश्वर तिवारी ने संबोधित किया। संचालन डा. प्यारे मोहन वर्मा ने किया।

धूमधाम से मनाई गई रामनवमी, मेलों में उमड़ी भीड़

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया। जिले मे रामनवमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। साथ ही आदि शक्ति माता की उपासना घरों में विधि-विधान से की गई। देवी मंदिरों में रविवार को दर्शन-पूजन को भीड़ उमड़ पड़ी। चैत्र नवरात्र की नवमी तिथि पर माता सिद्धिदात्री की पूजा अर्चना की गई। इसके साथ ही नौ दिवसीय नवरात्र व्रत का समापन भी हो गया। घर-घर नौ कन्याओं का पूजन कर उन्हें हलवा, पूड़ी एवं चना का भोज कराया गया। साथ ही उपहार देकर उनसे सुख, समृद्धि, यश, वैभव की कामना की गई। ऐसा माना जाता है कि कन्या भोज व पूजा के बिना माता की पूजा अधूरी रहती है। नवरात्र में कन्या पूजन से न सिर्फ मां आदि शक्ति प्रसन्न होती हैं बल्कि सुख व समृद्धि भी आती है ह्व शास्त्रों में भी कन्या पूजन या कन्या भोज को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया गया है।

बीएचयू में इलेक्ट्रोस्लिप और ब्रेन पोलराइजेशन थेरेपी संग संगीत की लहरों के प्रयोग से कोरोना काल में लाभ

वाराणसी । इंसान के मन-मस्तिष्क पर संगीत के प्रभाव से हम परिचित हैं। यह हमारे शरीर को स्वस्थ और मन को शांत बनाता है। बनारस हिंदू विश्वविद्यावलय (बीएचयू) के आयुर्वेद विभाग के विज्ञानी मधुर ध्वनि यानी संगीत के माध्यम से मानसिक तनाव को दूर कर रहे हैं। विशेष रूप से कोरोना काल में इलाज की इस पद्धति से बड़ी संख्या में लोगों को लाभ हुआ है।मल्टी बिहेवियर थेरेपी के अंतर्गत यहां मरीज को इलेक्ट्रोस्लिप थेरेपी व ब्रेन पोलराइजेशन थेरेपी दी जाती है। इसके तहत मरीज के सिर व दाएं पैर पर यंत्र के माध्यम से स्टिमुलेशन यानी उत्प्रेरण दिया जाता है। इस दौरान कमरे में मधुर संगीत बजाया जाता है, जिस पर मरीज को ध्यान केंद्रित करना पड़ता है। यह प्रक्रिया करीब 20 मिनट तक चलती है। लगातार छह-सात दिन तक यह थेरेपी लेने पर प्रभाव अधिक होता है। सप्ताह में सिर्फ एक बार यह थेरेपी लेने वाले मरीज को दवा भी दी जाती है।

धूप और झाड़ियों के बीच करते ट्रेन का इंतजार

बिलारमऊ। खानजहांपुर रेलवे हाल्ट पर सुविधाओं का अभाव है। यात्रियों को गर्मी में तेज धूप से

बचाने के लिए छाया का भी समुचित इंतजाम नहीं किया गया है। प्लेटफार्म पर झाड़ियां उग गई हैं। उसी में खड़े होकर यात्रियों को ट्रेन का इंतजार करना पड़ता है। इस हाल्ट पर मात्र एक इंडिया मार्का हैंडपंप और यात्रियों के बैठने के लिए बहुत पहले छोटा सा टीनशेड लगाया गया था, लेकिन वह भी टूटा पड़ा है। इस कारण ठंड के मौसम में लोग कांपते हैं, तो बारिश के मौसम में भींगकर ट्रेन पकड़ते हैं। इस हाल्ट से आसपास के गांवों के लोग यात्रा करते हैं। खानजहांपुर, बिलारमऊ, सजई, राजापुर, पलिया, विशेखा, कुकुडीपुर, गोधना, मैगना, कोनी आदि गांवों से पहुंचने वालों को छाया, बिजली, पानी की व्यवस्था न होने से परेशानियों का सामना करना पड़ता है। राममिलन, हरिराम, लालता, धनपाल, गुरुप्रसाद, साहेब राम, महात्म, संजय, निक्कू, अब्दुल्ला, सलमान खान, राहुल आदि यात्रियों ने विभाग के उच्चाधिकारियों से सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है।

वाराणसी में निर्दल प्रत्याशी अन्नपूर्णा सिंह 4234 मत पाकर विजयी घोषित

वाराणसी। वाराणसी स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद सदस्य चुनाव के लिए वोटों की गिनती सुबह करीब 11 बजे के पहले ही पूरी हो गई। इसके पूर्व पहड़िया मंडी में निर्धारित मतगणना की तैयारी पूरी कर ली गई थी है। मतगणना के लिए आठ टेबल लगाए गए थे वहीं आरओ का टेबल अलग लगाया गया था। एक एक टेबल पर माइक्रो आब्जर्बर समेत चार गणना कर्मियों की तैनाती की गई थी। एक चक्र में एक एक टेबल पर 600 वोटों की गिनती ही की गई। मतदान केंद्र के पास सुरक्षा करणों से सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई थी। वहीं चुनाव परिणाम आने के साथ ही भाजपा और सपा के उम्मीदवार निराश होकर लौट गए। निर्दल उम्मीदवार अन्नपूर्णा सिंह की जीत के साथ कपसेठी हाउस के जीत का सिलसिला इस बार भी बरकरार रहा। इस प्रकार अन्नपूर्णा सिंह निर्धारित कोटा से ज्यादा मत प्राप्त कर विजयी हुईं। मतगणना भी इसी के साथ समाप्त हो गई। इस तरह 4234 पाकर अन्नपूर्णा सिंह विजयी रहीं। वहीं सपा प्रत्याशी उमेश यादव ने कहा कि भाजपा से अधिक वोट पाना ही मेरी विजय है। जबकि भाजपा प्रत्याशी डा. सुदामा पटेल ने कहा जब भाजपा के लोग ही निर्दल प्रत्याशी के एजेंट बने हों तो जीत कैसे होती एमएलसी समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी उमेश यादव ने आरोप लगाया कि धनबल और बाहुबल का प्रयोग किया गया है, और हमें संतोष है कि हम भाजपा से आगे हैं। जिन लोगों ने मुझे वोट किया मैं उनका आभार प्रकट करता हूं। मेश यादव (सपा) - 345 डॉ सुदामा पटेल (भाजपा) - 170 अन्नपूर्णा सिंह (निर्दलीय)- 4234 निरस्त मतपत्र - 127 कुल - 4876 निरस्त मत को हटाते हुए कुल वैध मत ् 4749 जीतने हेतु आवश्यक कोटा (4749/2) 1 2375-एमएलसी चुनाव में प्रथम चरण की गिनती पूरी हो चुकी है। प्रथम चरण में 2400 वोटों की गिनती हुई है। 2058 वोट पाकर चर्चित एमएलसी बृजेश सिंह की पतनी पूर्व एमएलसी अन्नपूर्णा सिंह आगे हैं। कुल 4949 में 4876 वोट इस चुनाव में पड़े हैं। इस तरह से एकतरफा चुनाव अन्नपूर्णा सिंह जीत रही हैं। उमेश यादव - 171 सुदामा पटेल- 103 अनन्पूर्णा सिंह - 2058 इस चुनाव में वाराणसी में 11 बूथ, चंदोली में नौ, भदोही में छह बूथ पर वोटिंग पड़ी थी। कुल 26 बूथो पर वोटरों की संख्या 4949 थी पर 98 फीसद यानी 4876 वोट पड़े हैं। इस तरह से चार राउंड में वोटो की गिनती पूरी हो जाएगी। दोपहर दो बजे तक परिणाम सामने आने की बात है। दूसरी तरफ राजनीतिक पार्टियां खासकर भाजपा, सपा की ओर से जीत का दावा किया जा रहा है। ये दोनों पार्टियां निर्दल प्रत्याशी से चुनाव लड़ने की बात कह रहे हैं । निर्दल प्रत्याशी की तौर पर इस चुनाव में चर्चित एमएलसी बृजेश सिंह की पत्नी पूर्व विधायक अन्नपूर्णा सिंह मैदान में हैं। वहीं भाजपा से डा. सूदामा पटेल मैदान में हैं और सपा से उमेश यादव किस्मत आजमा रहे हैं। सपा का दावा है कि पंचायतो में सपा का सर्वाधिक वर्चस्व है लिहाजा वोटिंग सपा के पक्ष में हुई होगी। भाजपा का कहना है कि नगरीय निकाय, पालिका परिषद से सवाधिक भाजपा के पक्ष में मतदान हुआ है। गांव में भी भाजपा की अच्छी पकड़ है। हाल ही में जिले के आठो विधानसभा की जीत इस बात को स्वयं दर्शा रही है। दूसरी तरफ निर्दल प्रत्याशी के परिवार में यह सीट पिछले दो दशक से अधिक समय से होने के कारण इस सीट का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।। बहरहाल, जीत किसके पाले

में जाएगी, इसके लिए कुछ घण्टे इंतजार करना होगा। मतगणना स्थल पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। स्ट्रांग रूम से बैलेट बॉक्स लाने के लिए अलग से कार्मिको की तैनाती की गई है। प्रेक्षक भी चुनाव पर नजर रखने के लिए शहर में आ चुके हैं।

दहेज हत्याः दोषी पति को उम्रकैद

58 हजार रुपये अर्थदंड, न देने पर दो वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। साढ़े चार वर्ष पूर्व हुई दुर्गावती हत्याकांड के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय राहुल मिश्रा की अदालत ने सोमवार

को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी पति अभिषेक उर्फ राजा को उम्रकैद व 58 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। वहीं अर्थदंड न देने पर दो वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। तथा जेठ योगेंद्र व जेठानी आरती को 3-3 वर्ष की कैद एवं 8-8 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। वहीं अर्थदंड न देने पर 9-9 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक रामपुर बरकोनिया थाने में दी तहरीर में पनन्रांज थाना क्षेत्र के अइलकर गांव निवासी मनोज कुमार गुप्ता पुत्र विजय कुमार गुप्ता ने आरोप लगाया था कि उसकी बहन दुर्गावती की शादी 27 मई 2015 को जुगैल थाना क्षेत्र के घोरिया गांव निवासी अभिषेक उर्फ राजा पुत्र स्वर्गीय दुक्खी के साथ हुआ था। जब बहन विदा होकर अपनी ससुराल गई तो वहां पर ससुराल वाले दहेज में एक लाख रुपये व अन्य सामान की मांग को लेकर बहन दुर्गावती को प्रताड़ित करने लगे। जब भी बहन अति तो सारी बात बताती थी, लेकिन उसे गरीबी का हवाला देकर समझा दिया जाता था कि सबकुछ बाद में ठीक हो जाएगा। 7 अगस्त 2017 को रक्षा बंधन पर बहन दुर्गावती को लेकर उसका पति राज आया और करीब आधे घण्टे बाद बहन को छोड़कर चला गया। पुनः 8 अगस्त को अभिषेक बाइक से आया और बहन को विदा कराकर ले गया। 10 अगस्त को डेढ़ बजे दिन में नरोखर गांव के कुएं में बहन दुर्गावती का शव उतराया हुआ मिला। दहेज की मांग पूरी नहीं हुई तो पति अभिषेक उर्फ राजा, जेठ योगेंद्र व जेठानी आरती ने मिलकर बहन दुर्गावती की हत्या कर शव को कुएं में डाल दिया था। इस तहरीर पर रामपुर बरकोनिया पुलिस ने दहेज हत्या में एफआईआर दर्ज कर लिया और पुलिस विवेचना के दौरान पर्याप्त सबूत पाए जाने पर विवेचक ने न्यायालय में पति,जेठ व जेठानी के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी पति अभिषेक उर्फ राजा को उम्रकैद व 58 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। वहीं अर्थदंड न देने पर दो वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी।तथा जेठ योगेंद्र व जेठानी आरती को 3-3 वर्ष की कैद एवं 8-8 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 9-9 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष की ओर से अभियोजन अधिकारी विजय यादव ने बहस की।

पानी के एक दर्जन अवैध कनेक्शन काटे, वसूले 14 हजार

चुनार (मीरजापुर) । गर्मी के मौसम में आम जनता के लिए पेयजल आपूर्ति को सुचारू करने के लिए पालिका क्षेत्र में पानी के अवैध कनेक्शनों पर कार्रवाई शुरू हो गई है। सोमवार को नगर पालिका प्रशासन ने अभियान चलाकर 12 अवैध कनेक्शन काटे। साथ ही 14

हजार रुपये वाटर टैक्स भी वसूला। इस बीच टीम को एक दो स्थानों पर विरोध का भी सामना करना पड़ा। अवर अभियंता जल सौरभ प्रकाश सिंह ने बताया कि नगर पालिका शहरी क्षेत्र नगर पालिका के छह हजार से अधिक पेयजल कनेक्शन हैं। वहीं कई घरों लोगों ने मनमाने तरीके से मुख्य आपूर्ति लाइन में अपना पाइप जोड़ लिया है। इन अवैध कनेक्शनों की जांच कराई जा रही है। इसके क्रम में सोमवार को पालिका की टीम नगर के मोहल्ला सराय टेकौर पहुंची। यहां अवैध रूप से जोड़े गए 12 कनेक्शन को काटा गया। इस मोहल्ले में जैसे ही लोगों को पानी कनेक्शन काटे जाने की जानकारी मिली तो बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष मौके पर पहुंच गए। अधिशासी अधिकारी राजपति बैस ने कहा कि पेयजल आपूर्ति सुव्यवस्थित करने के लिए ये कार्रवाई की गई है। पेयजल के अवैध कनेक्शन धारकों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। गर्मी के मौसम में आम जनता के लिए पेयजल आपूर्ति को सुचारू करने के लिए पालिका क्षेत्र में पानी के अवैध कनेक्शनों पर कार्रवाई शुरू हो गई है। सोमवार को नगर पालिका प्रशासन ने अभियान चलाकर 12 अवैध कनेक्शन काटे। साथ ही 14 हजार रुपये वाटर टैक्स भी वसूला। इस बीच टीम को एक दो स्थानों पर विरोध का भी सामना करना पड़ा। अवर अभियंता जल सौरभ प्रकाश सिंह ने बताया कि नगर पालिका शहरी क्षेत्र नगर पालिका के छह हजार से अधिक पेयजल कनेक्शन हैं। वहीं कई घरों लोगों ने मनमाने तरीके से मुख्य आपूर्ति लाइन में अपना पाइप जोड़ लिया है। इन अवैध कनेक्शनों की जांच कराई जा रही है। इसके क्रम में सोमवार को पालिका की टीम नगर के मोहल्ला सराय टेकौर पहुंची। यहां अवैध रूप से जोड़े गए 12 कनेक्शन को काटा गया। इस मोहल्ले में जैसे ही लोगों को पानी कनेक्शन काटे जाने की जानकारी मिली तो बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष मौके पर पहुंच गए। अधिशासी अधिकारी राजपति बैस ने कहा कि पेयजल आपूर्ति सुव्यवस्थित करने के लिए ये कार्रवाई की गई है। पेयजल के अवैध कनेक्शन धारकों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

कंपोजिट विद्यालय की छत पर लगी सोलर प्लेट चोरी

विढमगंज (सोनभद्र)। स्थानीय थाना क्षेत्र के अंतर्गत झारखंड सीमा पर स्थित धरतीडोलवा ग्राम पंचायत में कंपोजिट विद्यालय धरतीडोलवा के छत पर लगा सोलर प्लेट रविवार की रात चोरी हो गया। इसकी सूचना विद्यालय के प्रधानाध्यापक मनोज कुमार गुप्ता व ग्राम प्रधान सुरेंद्र कुमार पासवान ने थाने में

तहरीर देकर प्राथमिकी दर्ज कराते हुए विद्यालय में घटित चोरी की घटना पर अंकुश लगाने की मांग की हैं। दुद्धी ब्लाक के ग्राम पंचायत धरतीडोलवा में स्थित कंपोजिट विद्यालय पर दूसरी बार सोलर प्लेट चोरी की घटना घटित हुई। विद्यालय के प्रधानाध्यापक मनोज कुमार गुप्ता ने थाने में दिए तहरीर में कहा है कि यह विद्यालय अनुसूचित जाति के लोगों के बीच स्थित है। इस विद्यालय पर सरकार की मंशा के अनुरूप सोलर प्लेट लगाकर विद्यालय में पानी की सप्लाई व पंखा चलाने हेतु व्यवस्था की गई थी, लेकिन सन 2019 में चोरों ने एक प्लेट गायब कर दिया था, जिसकी सूचना थाने पर दी गई थी। अब तक न ही प्लेट मिला और न ही चोर पकड़ में आ सके। पुनः रविवार की रात चोरों ने विद्यालय के छत पर लगा एक और सोलर प्लेट चोरी कर लिया। सोमवार की सुबह जब विद्यालय खुला तो सोलर प्लेट चोरी होने की जानकारी हुई। इसके बाद ग्राम प्रधान को सूचना करने के पश्चात स्थानीय थाने में विद्यालय से सोलर प्लेट चोरी हो जाने के बाबत एक तहरीर थाने में दी गई है। थाना प्रभारी निरीक्षक सूर्यभान विद्यालय पर आकर जांच किया। स्थानीय स्तर पर पास पड़ोस में रह रहे ग्रामीणों को भी चोरी करने वाले व्यक्ति का सुराग लगाने व जल्द चोरी की घटना का पर्दाफाश करने की बात कही है।

कोटे की दुकानों से वितरित किया जाएगा फोर्टिफाइड चावल

मीरजापुर । कोटे की दुकानों से अब फोर्टिफाइड चावल मिलेगा। स्वस्थ समाज की संकल्पना को इससे साकार करने में काफी मदद मिलेगी और

लोग स्वस्थ बन सकेंगे। सुविधा के लिए राइस मिल में ही अब एक्स्ट्रा एनर्जी विटामिन मिलाया जा रहा है। सरकार ने कोटे की दुकान से फोर्टिफाइड (इक्स्ट्रा एनर्जी वाला) चावल ही बांटने का निर्णय लिया है। अकेले मीरजापुर जनपद में ही धान की खरीद के बाद लगभग 32 हजार एमटी फोर्टिफाइड चावल मिलरों से लिया गया है, जिसे कोटे की दुकानों के माध्यम से कार्डधारकों का वितरित किया जाएगा। प्रदेश के ज्यादातर जिलों में धान की पैदावार होती है। सरकार समर्थन मूल्य पर धान की खरीद की जाती है, लेकिन कोटे की दुकानों से वितरण के लिए फोर्टिफाइड चावल दूसरे प्रदेशों से खरीदना पड़ता है। सरकार ने प्रदेश की राइस मिलों में ही फोर्टिफाइड चावल तैयार करने का निणन्य लिया है। जनपद स्तर पर राइस मिलों में ही चावल में एक्स्ट्रा एनर्जी वाली विटामिन मिलाने से बच्चों की सेहत के लिए फायदेमंद होता है। जिला खाद्य विपणन अधिकारी धनंजय सिंह ने बताया कि फोर्टिफाइड चावल के लिए राइस मिलों में एक अलग से ब्लेंडिग मशीन लगाई गई है, इससे मिल उच्चीकृत हो जाएगी। चावल में आयरन, जिक, फोलिक एसिड विटामिन्स आदि मिलाकर चावल फोर्टिफाइड बनाया जा रहा है। फोर्टिफाइड चावल अर्थात पोषणयुक्त चावल। इसमें आयरन, विटामिन बी 12, फॉलिक एसिड जैसे पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में होते हैं। भरपूर पोषक तत्व होने से फोर्टिफाइड राइस की न्यूट्रीशनल वैल्यू भी काफी ज्यादा होती है। इसका सेवन करने से कुपोषण का शिकार नहीं होंगे। फोर्टिफाइड राइस में जरूरी सूक्ष्म पोषक तत्व, विटामिन और खनिज की मात्रा को कृत्रिम तरीके से बढ़ाया जाता है। फोर्टिफाइड चावल से कम से कम जोखिम के साथ लोगों में कुपोषण को दूर कर सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा दी जा सकती है। चावल लोगों के खाने के साथ-साथ दवा की तरह भी काम कर सकता है। इसके सेवन से कुपोषण दूर करने में मदद मिलेगी। इसमें आयरन, जिक, फोलिक एसिड, विटामिन-ए, विटामिन-बी वगैरह शरीर की न्यूट्रीशनल वैल्यू बढ़ा देते हैं। बच्चों और महिलाओं के स्वस्थ विकास में मदद मिलेगी।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से महिला की मौत

अहरौरा (मीरजापुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के अधवार गांव निवासी सरोजा देवी (58) पतनी कृष्ण कुमार की सोमवार को ट्रैक्टर की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसे की जानकारी पाकर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। स्वजनों ने बताया कि वह सुबह घर से पौनी बैरियर की तरफ किसी काम से जा रही थी। इसी दौरान पीछे से आ रहे अनियंत्रित ट्रैक्टर ने धक्का मार दिया, इससे महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वही दुर्घटना कर भाग रहे ट्रैक्टर को पुलिस कब्जे में ले लिया है। उपनिरीक्षक मोती सिंह ने बताया कि अनियंत्रित ट्रैक्टर की चपेट में आने से महिला की मौत हो गई है। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा राह है।

सात करोड़ 36 लाख की योजनाओं को मिली मंजूरी

सीखड़ (मीरजापुर) । क्षेत्र पंचायत की बैठक सोमवार को ब्लाक मुख्यालय सभागार में हुई। बैठक में 7 करोड़ 36 लाख की विभिन्न योजनाओं को मंजूरी दी गई। अध्यक्षता क्षेत्र पंचायत प्रमुख छत्रपति सत्येंद्र कुमार सिंह ने की। खंड विकास अधिकारी केके सिंह द्वारा पिछली कार्रवाई पढ़ कर सुनाई गई तथा आय व्यय का ब्यौरा पेश किया गया। वर्ष 2022-23 के लिए मनरेगा के लिए 4.51 करोड़, पंचम वित्त आयोग की 1.10 करोड़ तथा पंद्रहवां वित्त आयोग की 1.75 करोड़ के कार्य योजना को अनुमोदित किया गया। इस दौरान पशु चिकित्साधिकारी डा. वीके पटेल, प्रभारी चिकित्साधिकारी मंगरहा डा. नीलेश कुशवाहा, एडीओ सी अमित कुमार, एडीओ पंचायत रामनरेश, जेई अरुण राय, उमाशंकर पटेल, धनुषधारी मिश्रा, महिपाल सिंह, शिवेंद्र सिंह, चंद्रबली यादव, लिटिल सिंह प्रधान आदि रहे।

13 करोड़ 76 लाख रुपये का बजट पास

हलिया (मीरजापुर) । स्थानीय ब्लाक सभागार में सोमवार को प्रमुख देवी की अध्यक्षता में क्षेत्र पंचायत में 13 करोड़ 76 लाख रुपये का

बजट पास हुआ। इसमें मनरेगा के लिए तीन करोड़ 45 लाख तथा क्षेत्र पंचायत निधि से कार्य के लिए कुल 9 करोड़ 56 लाख रुपये का बजट पास किया गया। जबकि पाइपलाइन के लिए 75 लाख रुपये का बजट सदन के माध्यम से पास किया गया। वही बैठक में जिले का अधिकारियों के नहीं पहुंचने पर क्षेत्र पंचायत सदस्यों के अलावा ग्राम प्रधानों ने नाराजगी जताई और कार्रवाई की मांग की। छानबे विधायक राहुल प्रकाश कोल ने कहा कि हलिया क्षेत्र में आगजनी की घटनाओं को देखते हुए जल्द ही अस्थायी रूप से फायर ब्रिगेड की गाड़ी उपलब्ध कराई जाएगी। हलिया में चिहित अगिन्शमन केंद्र के निर्माण कार्य के लिए अपने निधि से धन जारी कराया जाएगा। राज्यसभा सांसद अरुण सिंह के प्रतिनिधि धनंजय पांडेय ने ब्लाक परिसर में सांसद निधि से 50 लाख रुपये की लागत से बैठक हाल निर्माण कार्य के लिए प्रस्तावित किया है। बीडीओ विजय कुमार ने शासन की योजनाओं प्रधानमंत्री आवास, मुख्यमंत्री आवास, पेंशन आदि के बारें में विस्तृत रूप से जानकारी दी। एडीओ पंचायत अरुण कुमार मिश्रा ने सामुदायिक शौचालय सहित पंचायत विभाग के योजनाओं की जानकारी दी। आजीविका मिशन की महिलाओं को सामुदायिक शौचालय के देखभाल के लिए केयर टेकर बनाया गया है। इस दौरान सुधीर सिंह, केशव अग्रहरि, दिलीप सिंह पटेल, विपुल सिंह, प्रधानसंघ अध्यक्ष शिवबाबू सेठ आदि रहे।

आरटीआइ के तहत प्रवेश में भ्रष्टाचार पर जताया आक्रोश

मीरजापुर । अंतरराष्ट्रीय न्यायिक मानवाधिकार संरक्षण के तत्वावधान में अभिभावकों ने जिलाधिकारी को पत्रक सौंपा। मुख्यमंत्री और मंडलायुक्त को संबोधित पत्रक में निश्शुल्क और

अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत गरीब व निर्धन बच्चों के निजी विद्यालयों में प्रवेश में व्याप्त भ्रष्टाचार पर नाराजगी जताई। जिलाध्यक्ष जय प्रकाश सेठ ने कहा कि विभागीय सांठगांठ करके अपात्र व्यक्तियों द्वारा अपने बच्चों का योजना के तहत प्रवेश कराया जा रहा है। कहा कि प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। जिलाध्यक्ष ने कहा कि विभागीय मिलीभगत करके गरीब बच्चों के हक पर डाका डाला जा रहा है। कहा कि आरटीआई के तहत वर्ष 2018-19, 2019-20, 2020-21 और 2021-22 में हुए सभी निश्शुल्क प्रवेश का भौतिक सत्यापन कराने की मांग की। अब्दुल खालिद खां, रवींद्र कुमार श्रीवास्तव, संजय कुमार गुप्ता, सुजीत कुमार वर्ता, आजाद आलम, विष्णु यादव, राजेश श्रीवास्तव, रमेश सोनी, गुलाबचंद्र, तारा देवी, किरन देवी आदि रहीं।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का एडी ने जाना हाल

हलिया (मीरजापुर) । क्षेत्र के मतवार स्थित नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य जन मेले का एडी अशोक कुमार ने निरीक्षण कर मातहतों को दिशा निर्देश दिए। स्वास्थ्य केंद्र पर साफ सफाई रखने के साथ मरीजों का सही तरीके से उपचार करने के लिए निर्देशित किया। वही मतवार न्यू पीएचसी पर जन आरोग्य मेले में 86 मरीजों का उपचार किया गया। इसी तरह न्यू पीएचसी ड्रमंडगंज में 70 व न्यू पीएचसी बरौंधा में 85 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा वितरित किया गया। इस दौरान प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. अभिषेक जायसवाल, कामेश्वर तिवारी, डा. रियाजुद्दीन खान, डा. धर्मेंद्र सरोज, बीसीएम अनिल कुमार आदि रहे।

सड़क हादसे में ट्रक चालक व बाइक सवार घायल

हलिया (मीरजापुर)। क्षेत्र में रविवार की रात को अलग-अलग दुर्घटनाओं में ट्रक चालक व बाइक सवार घायल हो गए। स्थानीय व पुलिस की मदद से घायलों को पास के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। यहां चिकित्सकों ने बाइक सवार की हालत गंभीर देख मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया। मध्यप्रदेश के रींवा जनपद के मउगंज के गिबयीपुर निवासी बंसी (45) अपने सहचालक मुकेश के साथ पुणे से कोकाकोला व मुर्गी का दाना लादकर गुवाहाटी जा रहा था। जैसे ही हलिया क्षेत्र के ड्रमंडगंज घाटी के बड़का मोड़ पर पहुंचा था कि अचानक ब्रेकफेल होने से ट्रक सामने जा रही वाहन से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। इस घटना में चालक ट्रक के स्टिरिग में फंस कर

गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पंहुचे चौकी प्रभारी ड्रमंडगंज रामबहादुर राय ने चालक को काफी मशक्कत के बाद ट्रक से बाहर निकलवाया। इसके बाद न्यू पीएचसी भिजवा दिया। इसी तरह क्षेत्र के अहुगी कला निवासी दीपक (30) पुत्र मुकुंद अपनी बाइक से रविवार की रात घर की ओर जा रहा था। वह जैसे ही अदवा नहर के पास पहुंचा था कि अचानक अनियंत्रित हो गया और बाइक समेत नहर में गिर गया और सिर में गंभीर चोटें लगने के कारण रात भर नहर में ही पड़ा रहा। दूसरे दिन सुबह राहगीरों की मदद से बाइक सवार को नहर से बाहर निकालकर पीएचसी भिजवाया गया, लेकिन चिकित्सक ने मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया।

सोनभद्र मे आई केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति

सोनभद्र। भारत सरकार की उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण व ग्रामीण विकास राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति 12 अप्रैल को सोनभद्र आएंगी। वे वाराणसी एयरपोर्ट से कार से सर्किट हाउस में दोपहर बाद एक बजकर 45 मिनट पर आएंगी। इसके बाद दो बजे वे यहीं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ लंच करेंगी। 2.40 बजे वे भाजपा के कार्यालय में जाएंगी और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगी। इसके बाद कलेक्ट्रेट में 3.55 बजे से विकास कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक करेंगी। फिर 5.15 बजे सर्किट हाउस में पत्रकार वार्ता करेंगी। इसके बाद शाम सात बजे कलेक्ट्रेट के अधिकारियों के साथ भोजन करेंगी और रात्रि विश्राम करेंगी। इसके बाद 13 अप्रैल को सुबह नौ बजे जिला अस्पताल के लिए रवाना होंगी। वहां 10 बजे तक निरीक्षण करेंगी। फिर 10.10 बजे सर्किट हाउस लौट जाएंगी। सवा दस बजे सर्किट हाउस में ही स्वयं सेवी संगठनों व सेल्फ हेल्प ग्रुप के साथ बैठक करेंगी। 11 बजे से उनका समय आरक्षित रहेगा। 11.25 बजे वे करमा ब्लाक के बट ग्राम पंचायत में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत

फेयर प्राइस शाप डीलर की ओर से आयोजित थैंक यू मोदी जी, योगी जी कार्यक्रम में हिस्सा लेंगी। 12.30 बजे सर्किट हाउस में रहेंगी। दोपहर बाद एक बजे वे सोनभद्र से वाराणसी के लिए रवाना हो जाएंगी। भारत सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अतिरिक्त सचिव संतोष यादव 12 अप्रैल को सोनभद्र आएंगे। वे कलेक्ट्रेट में नीति आयोग के विकास कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक करेंगे।

खुद को आलराउंडर के तौर पर तैयार कर रहे हैं पंजाब किंग्स के स्पिनर राहुल चाहर

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स के लेग स्पिनर राहुल चाहर का कहना है कि उनके भाई दीपक चाहर को उनमें लेग स्पिनर बनने की प्रतिभा दिखी थी जिसके बाद वह इस ओर आगे बढ़े। उन्होंने साथ ही कहा कि लोग उन्हें भविष्य में आलराउंडर के रूप में भी उभरते हुए देख देख सकते हैं। आइपीएल सहित भारतीय टीम में वापसी को लेकर अभिषेक त्रिपाठी ने राहुल चाहर से की खास बातचीत, पेश हैं मुख्य अंश : मुझे तो पंजाब आकर काफी अच्छा लग रहा है। मुझे टीम में काफी प्यार और समर्थन मिल रहा है। विशेषकर सीखने के लिए काफी कुछ मिल रहा है। इसके अलावा अनिल कुंबले सर भी साथ में हैं। मेरे लिए यह काफी बड़ी चीज है। रही बात खिताब की तो आइपीएल में कई ऐसी टीम हैं जिन्होंने यह खिताब नहीं जीता है। हम कोशिश करेंगे कि टीम को जिताएं। हमारा लक्ष्य भी यही है कि इस टीम में आएं हैं तो जिता के ही जाना है। -जब मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया था उससे पहले ही दीपक भइया तेज गेंदबाज थे। मैंने भी तेज गेंदबाजी करना शुरू किया था। दीपक भइया ने जब मुझे देखा तो उन्हें लगता था कि मेरे अंदर तेज गेंदबाजी में ज्यादा कौशल नहीं है। उन्हें लगता था कि मेरी प्रतिभा लेग स्पिन में ज्यादा अच्छी है। जब मैं ऐसे ही गेंद डालता था तो वो टर्न लेती थी। उस समय यह फैसला लिया कि मुझे लेग स्पिनर के तौर पर खेलना चाहिए। रही बात मैदान पर एक दूसरे से मिलने की तो आपने देखा ही होगा जब भी आमने-सामने आए हैं हमने एक-दूसरे को आउट किया है। हम दोनों ही अपना 100 फीसद देते हैं और उस वक्त यह नहीं सोचते कि सामने भाई है। बाहर फिर गले भी मिलते हैं। -जैसे मैं हमेशा बोलता हूं कि मैं इतना लंबा नहीं सोचता हूं। मेरा काम अगले मैच तथा आगे के मुकाबलों पर ध्यान देना है। मैं एक खिलाड़ी के तौर पर यही सोचता हूं। मैं यह नहीं सोचता कि आइपीएल में खेलने से मेरी भारतीय टीम में वापसी होगी या नहीं। मेरा काम है अभी अपनी टीम के लिए अच्छा करना और मैं यही करने की कोशिश करता हूं। -मैं इतना भी सीनियर नहीं हुआ हूं, लेकिन हां अब चार-पांच साल का अनुभव हो गया है। हर साल कुछ ना कुछ गेंदबाजी में भी सीखने की कोशिश करता हूं। वो आत्मविश्वास दिखता है कि पिछले साल मैंने ऐसा किया था तो यह अच्छा है। ऐसा तो कोई खास बदलाव नहीं है। बस यही है कि थोड़ा अनुभव हो गया है और अब बल्लेबाजी पर भी काम कर रहा हूं। शायद कुछ वर्षों में मैं आलराउंडर के रूप में भी सामने आऊं। -हां, टीम अच्छी लग रही है। मैंने पहले भी कहा कि टीम के खिलाड़ी सेट दिख रहे हैं और अच्छा माहौल है। काफी अच्छा वातावरण भी है। मुझे लगता है कि इस बार पंजाब कुछ करेगी और इस बार हम जीतेंगे। एक खिलाड़ी के तौर पर आपको हमेशा अपनी फिटनेस का ध्यान रखना पड़ता है। जितना आप ध्यान रखोगे, उतने ही फिट रहोगे। अभी भारत में जितनी क्रिकेट होती है उसमें बहुत जरूरी है कि अपने शरीर का ध्यान रखा जाए। अगर थोड़ा सा भी ध्यान से भटके तो चोटिल होने के मौके बढ़ जाएंगे। पिच की बात रही तो जैसे-जैसे मुकाबले होंगे मुझे लगता है कि पिच धीमी होगी लेकिन कंफर्म नहीं कह सकते हैं। उम्मीद है सभी को इस बारे थोड़ा अंदाजा होगा। हां, मैं कोशिश करता हूं कि थोड़ा ठीक लगूं। बाकी तो लोगों के ऊपर है कि वे पसंद करें। कई लोग होंगे जो पसंद नहीं भी करते होंगे। मैं वही करता हूं जो मुझे पहनने में अच्छा लगता है। जो मुझे अच्छा महसूस कराए मैं वही कपड़े पहनता हूं और मैं यही कोशिश करता हूं बस।

सुनील गावस्कर ने इंग्लिश कमेंटेटर से कहा, कब लौटा रहे हो भारत को कोहिनूर

नई दिल्ली, आइएएनएस। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और महानतम बल्लेबाजों में शुमार सुनील गावस्कर को उनकी बेबाक अंदाज के लिए जाना जाता है। क्रिकेट की दुनिया धमाल मचाने वाले सनी कर की कमेंट्री को चाहने वाले सभी हैं। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में भी उनकी कमेंट्री धमाका मचा रही है। रविवार को डबल हेडर के मुकाबले में उन्होंने कमेंट्री के दौरान कुछ ऐसा किया जो चर्चा में आ गया। सुनील गावस्कर जितने शानदार बल्लेबाज थे, उतनी ही बेहतरीन क्रिकेट कमेंट्री भी करते हैं। इसका नजारा रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में राजस्थान रायल्स और लखनऊ सुपरजाइंट्स के बीच मैच के दौरान उनकी कमेंट्री के दौरान सुना गया। उन्होंने मैच के दौरान आन एयर अपने ब्रिटिश कमेंटेटर दोस्त एलन विलकिंस से कोहिनूर हीरा वापस भारत को लौटाने का अनुरोध कर डाला। इस दौरान बीच-बीच में स्क्रीन पर मरीन ड्राइव की तस्वीर चलाई जा रही थी तभी मरीन ड्राइव की तुलना रानी के हार से करते हुए गावस्कर ने विलकिंस से कहा, 'देखिए, क्वींस नेकलेस विलकिंस। हम अभी भी कोहिनूर हीरे का इंतजार कर रहे हैं।' वाक्य को समझते हुए दोनों कमेंटेटर हंसने लगे। फिर एलेन ने मजाकिया अंदाज में कहा कि उन्हें लगा रहा था कि ये आने वाला है। गावस्कर ने इसके बाद उनसे कहा कि अगर ब्रिटिश सरकार में उनका कोई जानकार हो तो हमें हमारा कोहिनूर वापस लौटा दें इस सीजन राजस्थान की टीम शानदार नजर आ रही है। 4 मैच खेलने के बाद 3 दर्ज कर 6 अंक हासिल करने के साथ टीम ने एक बार फिर से टाप पोजिशन हासिल कर लिया। रविवार को लखनऊ के खिलाफ टीम ने 6 विकेट पर 165 रन का स्कोर बनाया था जवाब में शानदार गेंदबाजी के दम पर राजस्थान ने केएल राहुल की टीम को 162 रन पर ही रोक दिया और 3 रन से मैच अपने नाम किया।

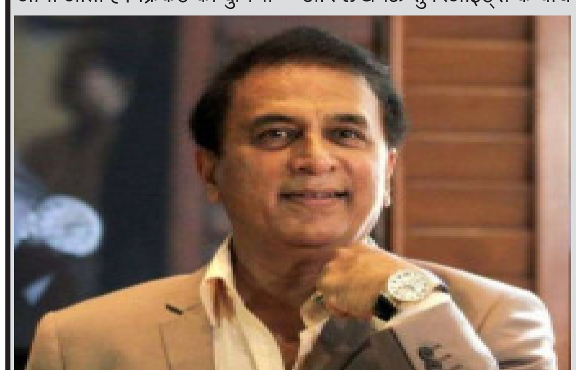

हार्दिक पांड्या आईपीएल इतिहास में सबसे तेज 100 छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बने

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पांडेया ने हैदराबाद के खिलाफ कप्तानी पारी खेलते हुए ना सिर्फ टीम को मुसीबत से निकाला बल्कि शानदार अर्धशतक भी लगाया। इस टीम की बल्लेबाजी देखकर लग नहीं रहा था टीम का स्कोर 150 के पार जा पाएगा, लेकिन हार्दिक पांड्या ने बेहद समझदारी के साथ बल्लेबाजी करते हुए टीम के स्कोर को 150 के पार यानी 162 तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई। हार्दिक पांड्या ने इस मैच में 42 गेंदों का सामना करते हुए 1 छक्का और 4 चौकों की मदद से नाबाद 50 रन की पारी खेली। एक छक्के की मदद से उन्होंने इस लीग में एक शानदार रिकार्ड अपने नाम किया। हार्दिक पांडेया आइपीएल इतिहास में सबसे कम गेंदों का सामना करते हुए 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने। इस लीग में उन्होंने अपना 100वां छक्का 1046वें गेंद पर लगाया। वहीं वो इस लीग में ओवरआल सबसे कम गेंदों का सामना करते हुए 100 छक्के लगाने के मामले में तीसरे नंबर पर आ गए। आइपीएल में सबसे कम गेंदों का सामना करते हुए 100 छक्के लगाने के मामले में आंद्रे रसेल पहले नंबर पर हैं तो वहीं क्रिस गेल इस मामले में दूसरे नंबर पर हैं। हार्दिक अब तीसरे नंबर पर आ गए तो वहीं किरोन पोलार्ड व मैक्सवेल चौथे और पांचवें नंबर पर हैं।

आर अश्विन का रिटायर आउट होना टीम के लिए कैसे रहा फायदेमंद संगकारा ने किया खुलासा

मुंबई। राजस्थान रायल्स के क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा का मानना है कि रविचंद्रन अश्विन ने लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ सही समय पर रिटायर आउट होकर मैच की स्थिति को अच्छी तरह से संभाला, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि रियान पराग को रासी वेन डेर डुसैन से पहले नहीं भेजना गलती थी। आइपीएल के इतिहास में राजस्थान पहली टीम बन गई जिसने रिटायर आउट होने की रणनीति अपनाई और अश्विन आइपीएल में रिटायर आउट होने वाले पहले खिलाड़ी बने। लखनऊ के खिलाफ रविवार को मैच में अश्विन जब 28 रन बनाकर खेल रहे थे तब वह स्वयं ही पवेलियन लौट गए थे। संगकारा ने मैच के बाद कहा, 'ऐसा करने के लिए यह सही समय था। अश्विन ने स्वयं यह फैसला किया। हमने इससे पहले इस पर चर्चा की थी कि क्या करना है।' सत्र में अपना पहला मैच खेल रहे दक्षिण अफ्रीका के वान डेर डुसैन को शिमरोन हेटमायर, अश्विन और पराग से पहले नंबर चार पर भेजा गया, लेकिन वह केवल चार रन बना पाए, जबकि पराग ने आखिरी ओवर में छक्का जड़कर टीम को 165 रन तक पहुंचाया था। रायल्स ने यह मैच तीन रन से जीता था। संगकारा ने कहा, 'कोच के रूप में मैंने एक गलती की, जो मैंने रियान को वान डेर डुसैन से पहले नहीं भेजा। इससे हम रियान का पूरा फायदा नहीं उठा पाए, लेकिन अश्विन ने स्थिति को अच्छी तरह से संभाला। उन्होंने टीम हित में अपने विकेट का बलिदान दिया और बाद में शानदार गेंदबाजी भी की।' लखनऊ को अंतिम ओवर में 15 रन की दरकार थी, लेकिन तेज गेंदबाज कुलदीप सेन ने दबाव में अच्छा प्रदर्शन किया और संगकारा ने भी उनकी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'आखिरी ओवर से पहले मेरी कुलदीप से बात नहीं हुई थी। वह संजू (सैमसन), जोस (बटलर) और अन्य खिलाड़ी थे जिन्होंने उसका हौसला बढ़ाया। कुलदीप ने दबाव में सबसे मुश्किल ओवर किया और हमारे लिए शानदार भूमिका निभाई।' लखनऊ शीर्षक्रम नहीं चलने के बावजूद मार्कस स्टोइनिस की बदौलत अंतिम ओवर तक मैच में बना रहा। लखनऊ के कप्तान केएल राहुल ने कहा, 'पूरे 20 ओवर में हमारा विश्वास बना रहा है कि हम मैच जीत सकते हैं। हमारी बल्लेबाजी में गहराई है। स्टोइनिस आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे। हमें विश्वास है कि स्टोइनिस किसी भी नंबर पर उतरकर हमारे लिए मैच जीत सकते हैं।'

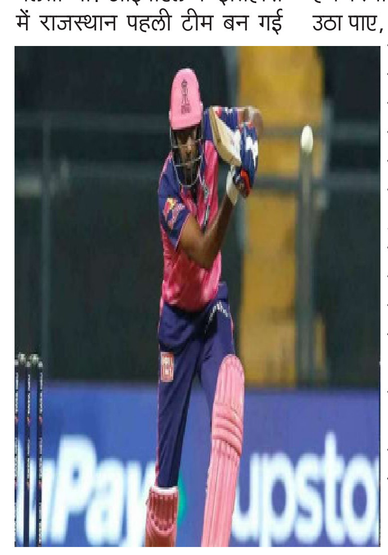

इंटरनेशनल क्रिकेट में पहली बार कोविड के चलते अंतिम एकादश में हुआ बदलाव

गक्बेरहा (दक्षिण अफ्रीका)। दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन सोमवार को कोविड-19 जांच में पाजिटिव आने वाले दो खिलाडियों सारेल इरवी और वियान मूल्डर की जगह अंतिम एकादश में खाया जोंडो और ग्लेनटन स्ट्रोमैन को मैदान पर उतारा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अंतिम एकादश में यह कोविड-19 स्थानापन्न का पहला मामला है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने ट्वीट किया, 'सारेल इरवी और वियान मूल्डर के कोरोना वायरस जांच में संक्रमण की पुष्टि होने के बाद खाया जोंडो न बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन पदार्पण किया। उन दोनों की जगह जोंडो और ग्लेनटन स्ट्रोमैन को टीम में शामिल किया गया।' सीएसए के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डा. शोएब मांजरा ने कहा, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन अप्रत्याशित स्थिति नहीं है। इस सीरीज को सख्त बायो-बबल (कोरोना से बचाव के लिए बनाए गए सुरक्षित माहौल) की जगह मैनेज्ड इवेंट एनवायरनमेंट (एमईई) प्रोटोकाल के तहत प्रबंधित किया जा रहा था। यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इस्तेमाल किए जा रहे कोविड-19 प्रतिस्थापन प्रोटोकाल का पहला उदाहरण है। कोविड-19 प्रतिस्थापन की घटनाएं पहले प्लुंकेट शील्ड और काउंटी चैंपियनशिप में हुई थीं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह पहला मामला है। यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ही मैच में एक टीम के लिए दो प्रतिस्थापन का यह दूसरा मामला है। इससे पहले बांग्लादेश ने 2019 में भारत के खिलाफ दो कन्कशन (सिर में गेंद लगने पर बेहोशी जैसी स्थिति होना) के प्रतिस्थापन मैदान में उतारे थे। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार बांग्लादेश के कोच रसेल डोमिंगो भी पिछले सप्ताह कोविड-19 की चपेट में आने के कारण मैच के दौरान टीम के साथ मौजूद नहीं थे। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी कोच चार्ल लैंगवेल्ट और सुरक्षा अधिकारी जुनैद वाडी भी शुक्रवार को कोविड-19 जांच में पाजिटिव आने के कारण मैच स्थल पर नहीं थे। दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश को 80 रन पर आउट करके दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में 332 रन से बड़ी जीत दर्ज करके दो मैचों की सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप किया। स्पिनर केशव महाराज और साइमन हार्पर ने फिर से दूसरी पारी में सभी 10 विकेट लिए। उन्होंने पहले टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका की 220 रन से जीत में भी ऐसा कारनामा किया था।महाराज ने 40 रन देकर सात जबकि हार्पर ने 34 रन देकर तीन विकेट लिए जिससे बांग्लादेश की दूसरी पारी सिमटने में देर नहीं लगी। बांग्लादेश ने तीन विकेट पर 27 रन से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन 14 ओवर के अंदर उसके बाकी बचे विकेट भी गिर गए।दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश के सामने 413 रन का मुश्किल लक्ष्य रखा था। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 453 रन बनाकर बांग्लादेश को 217 रन पर आउट करके अपनी स्थिति मजबूत कर ली थी।बांग्लादेश भले ही दोनों टेस्ट मैचों में बड़े अंतर से हार गया लेकिन उसने वनडे सीरीज 2-1 से जीती थी। यह पहला अवसर था जब उसने दक्षिण अफ्रीका में किसी तरह की सीरीज जीती थी।

गुजरात के खिलाफ कैसी होगी हैदराबाद की प्लेंइग इलेवन, किन खिलाडियों को मिलेगी जगह

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स को मात देकर पहली जीत हासिल करने वाली सनराइजर्स हैदराबाद की टीम अब इस लय को बरकरार रखना चाहेगी। इस सफर में उनका सामना अब टूर्नामेंट में अजेय चल रही गुजरात टाइटंस की टीम के साथ है। चेनन्ई के खिलाफ टीम की गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों ही रंग में नजर आई थी। ऐसे में इस बड़े मुकाबले से पहले टीम के प्रेइंग इलेवन में बदलाव की उम्मीद नजर नहीं आती चेन्नई के खिलाफ शानदार अर्धशतकीय पारी से अभिषेक ने टीम के जताए भरोसे को सही साबित किया। कप्तान केन विलियमसन ने भी उनका अच्छा साथ निभाया था लेकिन अब वह बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। गुजरात की गेंदबाजी काफी मजबूत है ऐसे में सही शुरुआत टीम के लिए बहुत जरूरी होगा। राहुल त्रिपाठी बहुत ही बेहतरीन बल्लेबाज हैं और इस बात का परिचय उन्होंने अपनी चेनन्ई के खिलाफ खेली पारी से दिया। शानदार लय में चल रहा यह बल्लेबाज रन गति को बनाए रखना का हुनर जानता है। उनके साथ निकोलस पूरन और एडन मारक्रम हैं जो टीम के लिए बड़ी और तेज पारी खेल सकते हैं। इस टीम के पास वो गेंदबाज हैं जो इंटरनेशनल क्रिकेट का अनुभव रखते हैं। वाशिंग्टन सुंदर शानदार गेंदबाजी कर रहे हैं तो टी नटराजन और माकी जानसेन भी गुजरात के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। उमरान मलिक की रफ्तार अच्छी है लेकिन लाइन सही करना होगा। कुल मिलाकर टीम अब बेहतर नजर आ रही है और गुजरात के खिलाफ मुकाबला जोरदार होने की उम्मीद है। अभिषेक शर्मा, केन विलियमसन (कप्तान), राहुल त्रिपाठी, निकोलस पूरन, एडेन मार्क्रम, शशांक सिंह, वाशिंगटन सुंदर, माकी जनसेन, भुवनेश्वर कुमार, टी नटराजन, उमरान मलिक।

लगातार 4 हार के बाद आरसीबी के खिलाफ खोया आत्मविश्वास हासिल करने उतरेंगे सुपरकिंग्स

नवी मुंबई। आइपीएल 2022 में लगातार चार हार से आहत चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को अपना खोया आत्मविश्वास हासिल करने के लिए मंगलवार को रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ होने वाले मैच में खेल के हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करना होगा मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने भी स्वीकार किया है कि लगातार चार हार से मौजूदा चैंपियन टीम का आत्मविश्वास डगमगा गया है। चार बार की चैंपियन चेन्नई ने रवींद्र जडेजा की अगुआई में अभी तक उस तरह की क्रिकेट नहीं खेली है जिसके लिए उसे जाना जाता है। जडेजा अभी तक आगे बढ़कर नेतृत्व करने में नाकाम रहे हैं। महेंद्र सिंह धौनी, रोबिन उथप्पा, अंबाती रायडू और ड्वेन ब्रावो जैसे सीनियर खिलाडियों को संकट की इस स्थिति में अधिक जिम्मेदारी निभानी होगी। सीएसके ने अब तक एक मैच में 200 रन से अधिक का स्कोर बनाया, लेकिन बाकी तीन मैचों में उसके बल्लेबाज नहीं चल पाए। उनका सामना अब आरसीबी के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण से होगा, जिसमें स्पिनर वानिंदु हसरंगा, डेविड विली और मुहम्मद सिराज शामिल हैं। युवा रुतुराज गायकवाड़ अभी तक नहीं चल पाए और उन्हें बड़ी पारी खेलने की जरूरत है। आलराउंडर मोइन अली और शिवम दुबे को भी अधिक जिम्मेदारी लेनी होगी। फ्लेमिंग ने स्वीकार किया कि टीम को तेज गेंदबाज दीपक चाहर की कमी खल रही है, जो चोटिल होने के कारण अभी तक किसी मैच में नहीं खेल पाए हैं। उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों की उपलब्धता एक मसला है और हमने अभी तक तीनों विभागों बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में कमतर प्रदर्शन किया है। हमें सभी विभागों में सुधार की जरूरत है।' दूसरी तरफ आरसीबी ने अब तक सभी विभागों में अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम आत्मविश्वास से भरी है। सलामी बल्लेबाज अनुज रावत ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ अर्धशतक जमाया, जबकि विराट कोहली ने भी रन बनाए। कप्तान फाफ डुप्लेसिस किसी भी आक्रमण की धज्जियां उड़ाने में सक्षम हैं। आरसीबी के शीर्षक्रम के तीनों बल्लेबाज अभी अच्छी फार्म में हैं। दिनेश कार्तिक आरसीबी के लिए फिनिशर की भूमिका बखूबी निभा रहे हैं और इंजीनियर से क्रिकेटर बने शाहबाज अहमद ने भी अब तक अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। चेनन्ई के गेंदबाजों में ब्रावो को छोड़कर कोई भी अन्य प्रभावित नहीं कर पाया है। मुकेश चौधरी अब तक उसके लिए कमजोर कड़ी साबित हुए हैं। सीएसके : रवींद्र जडेजा (कप्तान), महेंद्र सिंह धौनी, मोइन अली, रुतुराज गायकवाड़, ड्वेन ब्रावो, दीपक चाहर, अंबाती रायडू, रोबिन उथप्पा, मिशेल सेंटनर, क्रिस जार्डन, एडम मिल्ने, डेवोन कोन्वे, शिवम दुबे, ड्वेन प्रिटोरियस, महेश तीक्ष्णा, राजवर्धन हेंगरगेकर, तुषार देशपांडे, केएम आसिफ, सी हरि निशांत, एन जगदीशन, शुभ्रांशु सेनापति, के भगत वर्मा, प्रशांत सोलंकी, सिमरजीत सिंह, मुकेश चौधरी। आरसीबी : फाफ डुप्लेसिस (कप्तान), विराट कोहली, ग्लेन मैक्सवेल, मुहम्मद सिराज, हर्षल पटेल, वानिंदु हसरंगा, दिनेश कार्तिक, जोश हेजलवुड, शाहबाज अहमद, अनुज रावत, आकाश दीप, महिपाल लोमरोर, फिन एलेन, शेरफाने रुदरफोर्ड, जेसन बेहरनडोफ, सुयश प्रभुदेसाई, चामा मिलिंद, अनिश्वर गौतम, कर्ण शर्मा, डेविड विली, रजत पाटीदार, सिद्धार्थ कौल।

राशिफल

मेष-आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे लेकिन खर्चों में वृद्धि आपके लिए बचत करना और कठिन बना देगी. मौज-मस्ती करने के लिए आज का दिन अच्छा है ।

वृष-:आज का दिन आपके लिए खास रहेगा. आज आपके सभी सोचे हुए काम पूरे होंगे। साथ ही पिता के व्यवसाय में सहयोग करेंगे। जिससे आपको धन लाभ होगा।

मिथुन-:नौकरी में प्रमोशन और ट्रांसफर के अवसर मिल सकते हैं. आप नए लोगों से दोस्ती कर सकते हैं। काम करने में मजा आएगा। दिन अच्छा रहेगा।

कर्क-:आशावादी रहें और उज्ज्वल पक्ष को देखें। आपका विश्वास और आशा आपकी इच्छाओं और आशाओं के लिए नए द्वार खोलेगा। अनुमान अशुभ साबित हो सकते हैं।

सिंह-:आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपको अपने व्यवहार में थोड़ा बदलाव करने की जरूरत है। आपके अच्छे व्यवहार से आपके आस-पास के लोग आपसे खुश होंगे,

कन्या-:कार्यक्षेत्र में मेहनत अधिक रहेगी. किसी बड़ी जिम्मेदारी में आप फंस सकते हैं। यदि आप भाग्य के आधार पर कोई बड़ा फैसला लेने की सोच रहे हैं तो सावधान हो जाएं।

तुला-:आज आर्थिक स्थिति में सुधार अवश्य होगा, लेकिन साथ ही ख़र्चों में भी वृद्धि होगी. यह एक ऐसा दिन है जब काम का दबाव कम रहेगा और आप परिवार के साथ समय बिताने का आनंद उठा पाएंगे।

वृश्चिक-:आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। इस राशि के जो लोग व्यवसायी हैं, आज उनकी कंपनी की किसी ऐसी कंपनी से डील फाइनल होगी।

धनु-:नौकरी में पदोन्नति के योग हैं. रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र से जुड़ी योजनाओं में आज आप सफल रहेंगे।

मकर-:आज आप जरूरी काम निपटाने की योजना बनाएंगे. जिसमें आप सफल भी हो सकते हैं। अगर आप ईं कर रहे हैं तो आज किसी प्रोजेक्ट में आपकी तारीफ होगी।

कुंभ-:सफलता निकट होने पर भी आपके ऊर्जा स्तर में गिरावट आएगी. आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे - लेकिन खर्चों में वृद्धि आपके लिए बचत करना और कठिन बना देगी। मित्रों का सहयोग राहत देगा।

मीन-कार्यक्षेत्र में अधिकारियों से मान-सम्मान मिल सकता है. धन लाभ के योग हैं। आज आपको व्यापार में लाभ या नौकरी में पदोनन्ति मिलने की संभावना है। आपको भाग्य का साथ मिल सकता है ।

सम्पादकीय

सभी भारतीय भाषाएं देवनागरी लिपि के माध्यम से हिंदी से जुड़ेंगी तभी अंग्रेजी का ग्रास बनने से बच पाएंगी

संसदीय राजभाषा समिति की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अंग्रेजी के विकल्प के रूप में हिंदी को अपनाने का आग्रह किया। दुर्भाग्य से इस आग्रह को लेकर दुराग्रह का प्रदर्शन शुरू हो गया है। हालांकि गृह मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा था कि हिंदी का विकास और विस्तार भारतीय भाषाओं की कीमत पर नहीं, बल्कि अंग्रेजी के बरक्स होना चाहिए, लेकिन कुछ विरोधवादियों को उनकी यह बात रास नहीं आई। इनमें तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, केरल के मुख्यमंत्री पी. विजयन, एआर रहमान और प्रकाश राज जैसे लोग भी शामिल हैं। अमित शाह का कथन इस संदर्भ में विशेष महत्व रखता है कि अभी देश भर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू करने के लिए जोर-शोर से काम हो रहा है। इस नीति में शिक्षा का माध्यम मातृभाषाओं को बनाने पर विशेष बल है, किंतु वर्तमान शैक्षिक-सांस्कृतिक परिदृश्य में यह कार्य चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि भारतीय भाषाएं औपनिवेशिक भाषा अंग्रेजी से आशंकित और असुरक्षित हैं। अंग्रेजी धीरे-धीरे भारतीय भाषाओं को लीलती जा रही है। भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल हिंदीतर 21 भारतीय भाषाओं की जगह बौद्धिक जगत में क्रमशः सिकुड़ती जा रही है। सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन, शासन-प्रशासन, बाजार-व्यापार के अलावा शिक्षा के माध्यम के रूप में अंग्रेजी ने बढ़त बनाई है। यह आज की बड़ी चुनौती है। केंद्र सरकार के प्रयतनें से हिंदी, मराठी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, असमिया, डोगरी, कश्मीरी और पंजाबी आदि अन्य भाषाओं को समर्थन, सम्मान और स्वीकृति प्रदान करने से स्थिति कुछ संतुलित तो हुई है, किंतु अभी बहुत काम करने की आवश्यकता है। मातृभाषा में शिक्षण शिक्षार्थी की बौद्धिक क्षमताओं के अधिकतम विकास और भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह भारत को वैश्विक ज्ञान शक्ति का केंद्र बनाने की महत्वाकांक्षी परियोजना की आधारशिला है। भारत के सांस्कृतिक गौरव की प्रतिष्ठा का प्रस्थान बिंदु भारतीय भाषाओं का पारस्परिक संपर्क, संवाद और संगठन है। अंग्रेजी वर्चस्ववाद से निपटने के लिए भारतीय भाषाओं को एक-दूसरे के निकट आने और उनके आपसी अपरिचय एवं अलगाव को मिटाने की दिशा में प्रयतन्शील होने की आवश्यकता है। भारतीय भाषाओं के विकास, प्रचार-प्रसार और आपसी संपर्क-संवाद में देवनागरी लिपि की निर्णायक भूमिका हो सकती है। तमाम भारतीय भाषाओं के श्रेष्ठतम साहित्य को देवनागरी लिपि में लिप्यांतरित करके बहुसंख्यक और व्यापक हिंदी समाज तक लाने की जरूरत है। गृह मंत्री के अनुसार पूर्वोत्तर के नौ समुदाय अपनी भाषाओं की लिपि के रूप में देवनागरी लिपि को अपना चुके हैं। पूर्वोत्तर के सभी आठ राज्यों ने दसवीं कक्षा तक हिंदी को अनिवार्य बनाने पर भी सहमति व्यक्त की है। सभी भारतीय भाषाओं द्वारा राष्ट्रलिपि या संपर्क लिपि के रूप में देवनागरी लिपि को अपनाने की बात राजा राममोहन राय, लोकमान्य तिलक, महर्षि दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी, आचार्य विनोबा भावे, कृष्णास्वामी आयंगर, मुहम्मद करीम छागला और 'देवनागरी के नवदेवता' कहे जाने वाले बिनेश्वर ब्रह्म ने समय-समय पर की। भारतीय भाषाओं की एक लिपि होने से उनके बीच का अपरिचय, अविश्वास और दूरी मिटेगी। वे एक-दूसरे के अधिक निकट आ सकेंगी। यह एक दूरगामी महत्व की परियोजना है। संस्कृत से उद्भूत भारतीय भाषाओं और लिपि-हीन भाषाओं एवं बोलियों की लिपि के रूप में देवनागरी लिपि को अपनाकर यह शुरुआत की जा सकती है। आज जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर, अंडमान-निकोबार और गोवा की अनेक ऐसी भाषाएं एवं बोलियां हैं, जो लिपि न होने के अभाव में अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं। इन क्रमशः विलुप्त हो रही भाषाओं में मौखिक साहित्य की अत्यंत समृद्ध परंपरा रही है। इसे न सिर्फ संरक्षित करने की आवश्यकता है, बल्कि अब तक अपरिचित रहे व्यापक समाज के बीच ले जाने की भी आवश्यकता है। तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम आदि जिन भारतीय भाषाओं की अपनी पृथक लिपि है, उनकी सह-लिपि के रूप में देवनागरी लिपि को अपनाने से अनेक सामाजिक-सांस्कृतिक संकीर्णताओं का निदान हो सकता है। भारत बहुभाषिक, बहुलिपिक देश है,।

क्या स्नातक स्तर पर प्रवेश के लिए 12वीं के अंकों के बजाय संयुक्त प्रवेश परीक्षा की पहल से कायम समस्याओं का कारगर समाधान है

पिछले दिनों भारतीय उच्च शिक्षा में एक प्रवर्तनकारी परिवर्तन ने दस्तक दी है। इसके अंतर्गत केंद्रीय विश्वविद्यालयों सहित देश के करीब 45 विश्वविद्यालयों में सनतक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए संयुक्त परीक्षा यानी सीयूईटी आयोजित होगी। इसके माध्यम से वर्तमान व्यवस्था में आमूलचूल बदलाव होने जा रहा है। भारत में लंबे समय से सनतक प्रवेश प्रक्रिया अतार्किक हो चली थी। विभिन्न बोर्ड परीक्षाओं की 12वीं कक्षा के प्राप्तांकों में अनवरत ऊंची बढ़ोतरी ने कालेजों में कटआफ को आसमानी स्तर पर पहुंचा दिया था। इस कारण कुछ प्रतिष्ठित कालेजों में सर्वाधिक वांछित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए शत प्रतिशत अंकों की आवश्यकता होने लगी। यह बेतुका और हास्यास्पद होने के साथ ही त्रासद भी रहा छात्रों को सनतक स्तर पर बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए तंत्र को नए सिरे से गठित करना अपरिहार्य हो चला है। क्या12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर प्रवेश के स्थान पर वर्तमान संशोधन की पहल में इस समस्या का समाधान संभव है स्मरण रहे कि व्यापक मंथन के अभाव में जटिल समस्याओं का समाधान नहीं खोजा जा सकता। सतही पड़ताल से ही पता चल जाएगा कि निश्चित रूप से कुछ गड़बड़ है। सनतक स्तर पर प्रवेश को लेकर आखिर क्या मूलभूत पेच फंसे हुए थे कटआफ असंभव स्तर पर पहुंच गए। प्रवेश के लिए 12वीं कक्षा के अंक ही मुख्य आधार बन गए। इस प्रकार एक परीक्षा का किसी छात्र के करियर की दिशा निर्धारण में निर्णायक बनने के साथ उसका उसके जीवन में महत्व असंगत रूप से बढ़ता गया। दबाव और तनाव इसकी स्वाभाविक परिणति बन गए। प्रस्तावित परिवर्तन में क्या निहित है वस्तुतः इसमें एक परीक्षा का स्थान दूसरी परीक्षा ने ले लिया है। अब 12वीं बोर्ड परीक्षा के अंकों के बजाय संयुक्त प्रवेश परीक्षा होगी। प्रवेश का आधार अभी भी एक परीक्षा विशेष के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। यदि पहले आपको 12वीं की बोर्ड परीक्षा में शत प्रतिशत अंकों की आवश्यकता थी तो अब नई प्रवेश परीक्षा में अपना अपेक्षाकृत सर्वोत्तम प्रदर्शन करना होगा। इसमें समस्या का समाधान क्या है फिर चाहे वह आसमान छूते कटआफ हों या चिरस्थायी तनाव सनतक प्रवेश के समीकरणों से 12वीं की बोर्ड परीक्षा का पहलू बाहर हो गया है। प्रवेश का एकमात्र आधार होने से लेकर अब एक प्रकार से अप्रासंगिक होना उसके महत्व के पूर्ण पराभव का प्रतीक बनता दिख रहा है। ऐसे में हम छात्रों से कैसे यह उम्मीद करते कि वे स्कूल में अपेक्षित गंभीरता के साथ अध्ययन-मनन के लिए उन्मुख हों क्या हमने नहीं देखा कि मेडिकल और इंजीनियरिंग में प्रवेश के इच्छुक छात्र स्कूल से इतर अपनी-अपनी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं पर कहीं अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं तब वाणिज्य और मानविकी से जुड़ी धाराओं के छात्र भी क्या ऐसी परिपाटी का पालन नहीं करेंगे आखिर स्कूल जैसे उस संस्थान का अवमूल्यन कितना उचित और प्रभावी होगा, जहां छात्र अपनी आरंभिक औपचारिक शिक्षा ग्रहण करता है अमेरिका जैसे सबसे विकसित देश में लागू व्यवस्था से हम इसकी तुलना करें तो पाएंगे कि वहां छात्रों की प्रवेश प्रक्रिया के दौरान विश्वविद्यालय कई पहलुओं पर विचार करते हैं। वहां उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के अंतर्गत कक्षा नौ से 12 तक के रिकार्ड का संज्ञान लिया जाता है। कोई भी एक परीक्षा चयन का एकमात्र आधार नहीं है। अकादमिक गतिविधियों से परे छात्र अभिरुचि एवं प्रवीणता चाहे वह खेल हो, ललित कला, सामाजिक सेवा, इंटर्नशिप या ऐसा ही कुछ और, उसे भी पर्याप्त वरीयता दी जाती है। कालेज बोर्ड द्वारा संचालित की जाने वाली मानक परीक्षाओं का भी महत्व होता है। आवेदन प्रपत्र के जरिये छात्रों को बेहतर अभिव्यक्ति का अवसर मिलता है, जिससे प्रवेश से संबंधित इकाई को भी छात्रों के विषय में अधिक जानकारियां एवं स्पष्टता मिलती है। कुल मिलाकर प्रवेश का निणन्य कई कारकों पर आधारित होता है, जिसमें प्रत्येक कारक का अपना उपयुक्त महत्व होता है। यदि हम ऐसी प्रक्रिया को हूबहू नहीं भी अपना सकते, तो कम से कम उसके भारतीयकरण की दिशा में उन्मुख होकर उसे आत्मसात करने का प्रयास तो कर ही सकते थे, किंतु दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। हमारी शिक्षा प्रणाली से संबंधित एक और महत्वपूर्ण पहलू पर प्राथमिकता के आधार पर ध्यान केंद्रित किया जाना भी उतना ही आवश्यक है। हमारे विख्यात कालेज और विश्वविद्यालयों में प्रवेश की दर इतनी कम क्यों है आखिर हजारों-लाखों आवेदकों में मात्र कुछ ही क्यों चयनित हो पाते हैं? वस्तुतः यह एक मांग-आपूर्ति असंतुलन है। अपनी जनसंख्या के अनुपात में हमारे पास बहुत कम विकल्प हैं। आवेदकों की संख्या सदैव उपलब्ध सीटों की संख्या से कई गुना अधिक होती है। इस बड़ी आवश्यकता की पूर्ति के लिए हमें उच्च शिक्षा के अधिक संस्थानों के साथ और ज्यादा सीटों की जरूरत है। विशेषकर टीयर-2 और टीयर-3 शहरों में हमें उनकी कहीं अधिक आवश्यकता है, ताकि चुनिंदा महानगरों पर दबाव घटाने के साथ ही अधिक से अधिक आम भारतीय छात्रों तक गुणवत्तापरक उच्च शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित की जा सके। ऐसे में शिक्षा पर सरकारी व्यय में बढ़ोतरी, निजी क्षेत्र की सहभागिता के अनुकूल परिवेश एवं आनलाइन डिजिटल शिक्षा इस क्षेत्र का कायाकल्प करने वाले परिवर्तनों को साकार करने में सक्षम होंगे। महत्वपूर्ण परिवर्तनों के बीच 2022 बैच के छात्रों के लिए एक विचार छोड़ दिया जाए। ये वे छात्र हैं, जिन्होंने दो वर्षों से केवल आनलाइन कक्षाएं ही ली हैं, परंतु उन्हें परीक्षा अब आफलाइन देनी पड़ रही है। ऐसे में उन्हें आनलाइन पढ़ाई और आफलाइन परीक्षा के बीच कुशल संतुलन साधना होगा। इस हलचल भरे दौर में उन्हें कई महत्वपूर्ण परिवर्तनों से भी जूझना पड़ रहा है। इसी दौरान बोर्ड परीक्षा दो भागों में विभक्त हुई, प्रशन पत्रों के प्रारूप में विविधता आई, पाठ्यक्रम अपूर्ण रह गया और अब संयुक्त प्रवेश परीक्षा जैसी पहल की गई है।

असम में एनआरसी में शामिल लोगों को आधार जारी करने की मांग पर नोटिस, सुप्रीम कोर्ट ने मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने असम में एनआरसी (नेशनल रजिस्टर आफ सिटीजन) की 31 अगस्त, 2019 को जारी हुई अंतिम अनुपूरक सूची (सप्लीमेंट्री लिस्ट) में शामिल लोगों को आधार जारी करने की मांग पर केंद्र सरकार, असम सरकार और यूआइडीएआइ (यूनिक आइडेंटीफिकेशन अथारिटी आफ

इंडिया) को नोटिस जारी किया है।जस्टिस यूयू ललित, जस्टिस एस. रविंद्र भट और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की पीठ ने ये नोटिस तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद सुष्मिता देव की याचिका पर सुनवाई के बाद जारी कि सुष्मिता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा है कि करीब 21 लाख लोगों का नाम 31 अगस्त, 2019 की एनआरसी की अंतिम अनुपूरक सूची में शामिल हुआ है, लेकिन उन्हें आधार नंबर नहीं दिया जा रहा। इस वजह से इन लोगों को आधार से मिलने वाले लाभ नहीं मिल पा रहे हैं। याचिकाकर्ता का कहना है कि इन लोगों को आधार जारी नहीं करना भेदभाव और समानता के अधिकार का उल्लंघन है। सरकार वर्ग के अंदर वर्ग सृजित कर रही है। सुनवाई के दौरान वकील ने कहा कि जिन लोगों का नाम दिसंबर, 2017 में प्रकाशित पहली एनआरसी लिस्ट में शामिल था, उन्हें आधार जारी हो गए जबकि जो लोग दूसरी अनुपूरक अंतिम सूची में शामिल हुए उन्हें अभी तक आधार जारी नहीं हुआ है। इन लोगों को भी आधार जारी होने चाहिए क्योंकि आधार नहीं मिलना मूलभूत सुविधाओं का नहीं मिलना होगा। कोर्ट ने नोटिस जारी करते हुए मामले को मई में फिर सुनवाई पर लगाने का निर्देश दिया। कथित विदेशियों की पहचान कर उन्हें वापस भेजने के नाम पर असम में धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न रोकने की मांग संबंधी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र और प्रदेश सरकार से जवाब तलब किया। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस सूर्यकांत की पीठ ने नोटिस जारी करते हुए मामले को संविधान पीठ के समक्ष लंबित 2015 के मामले के निपटारे के बाद सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। उक्त मामला असम-एनआरसी को बुनियाद उपलब्ध कराने वाले सिटिजनशिप एक्ट के प्रविधानों की वैधता से जुड़ा हुआ है।

रामनवमी पर दिल्ली से लेकर बंगाल तक भड़की हिंसा, पथराव, मारपीट व आगजनी के बीच कई जगह धारा 144 लागू

नई दिल्ली। रामनवमी के दिन देश के पांच राज्यों में हिंसा भड़की। देश की राजधानी दिल्ली से लेकर पश्चिम बंगाल और गुजरात के इलाकों में बवाल हुआ। हिंसक झड़पों में कई लोग घायल हो गए। दिल्ली के जेएनयू में तो छात्र संघ के दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हो गई। झड़प में कई छात्र घायल हो गए। आपको बताते हैं कि रामनवमी के दिन कहां-कहां बवाल हुआ। जेएनयू में रामनवमी पर पूजा को लेकर विवाद शुरू हुआ। एबीवीपी और लेफ्ट के छात्रों के बीच हिंसा भड़क गई। इस घटना में कुछ छात्र घायल हुए हैं। दरअसल, कावेरी हास्टल में कुछ छात्रों रामनवमी पर पूजा कर रहे थे। वामपंथी दल के छात्र संगठन पूजा नहीं होने देना चाह रहे थे। पूजा नहीं रोक पाने पर वामपंथी छात्र संगठनों ने नॉन वेज खाने से रोकने का मुद्दा उठाया। एबीवीपी के कार्यकर्ता रविवार को नॉन वेज खाने बनाने और खाने से रोक रहे थे। रविवार शाम को जेएनयू में दोनों पक्षों में हिंसा भी हुई। इसमें कई छात्र घायल हुए हैं। सदर थाना क्षेत्र के हिरही गांव में रामनवमी जुलूस पर पथराव की घटना के बाद हिरही और उसके आसपास के गांवों में सांप्रदायिक हिंसा भड़की। उपद्रवियों ने दर्जनों वाहनों को आग के हवाले कर दिया। मेला स्थल पर दस मोटरसाइकिल, तीन ठेला, एक टेंपो, चार साइकिल

और मेला में लगी कई दुकानों में आग लगा दी गई है। इस घटना में दस लोगों को गंभीर चोटें भी आई है। जानकारी मिलने के बाद डीसी-एसपी, डीडीसी, एसडीओ, डीएसपी के साथ-साथ लोहरदगा जिला और पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी घटना स्थल पर पहुंच गए हैं। भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। उधर, मध्य प्रदेश के खरगोन और सेंधवा में रविवार को रामनवमी की शोभायात्रा पर पथराव किया गया। शोभायात्रा पर पथराव के बाद कई इलाकों में आगजनी और बम फेंकने की घटनाएं हुई। हालात को देखते हुए खरगोन में कर्फ्यू लगा दिया गया है। पथराव की घटना में एसपी सिद्धार्थ चौधरी घायल हुए हैं। सब डिविजनल मजिस्ट्रेट अरविंद कुमार लाल ने बताया कि रामनवमी के अवसर पर दो गुटों के बीच हुए पथराव, मारपीट और झड़पों को देखते हुए लोहरदगा के हिरही गांव में धारा 144 लागू की गई है। हिम्मतनगर और आणंद में रविवार को रामनवमी पर निकाली गई शोभायात्रा के दौरान पथराव हुआ। पथराव के बाद गुस्साए लोगों ने आसपास के वाहनों में तोड़फोड़ कर दी। गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने घटना पर चिंता जताते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। बांकुरा में रविवार को रामनवमी के जुलूस के दौरान जमकर हंगामा हुआ। रामनवमी पर जुलूस के दौरान पुलिस पर पथराव की घटना हुआ है। भीड़ को काबू में करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इस घटना के बाद कई लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

सत्ता संभालने के बाद बतौर पीएम शहबाज शरीफ के सामने होंगी ये तीन बड़ी चुनौतियां

नई दिल्ली। इमरान खान के सत्ता से बाहर होने के बाद पाकिस्तान की कमान अब पूर्व पीएम नवाज शरीफ के छोटे भाई शहबाज शरीफ के हाथ आ गई है। उल्लेखनीय है कि रविवार को नेशनल असेंबली में विपक्ष की ओर से आए अविश्वास प्रस्ताव में हार के साथ ही इमरान

खान इस तरह सरकार गंवाने वाले पहले प्रधानमंत्री बने। फिलहाल बतौर पीएम सत्ता संभालने जा रहे शहबाज के लिए राह बहुत आसान नहीं होने जा रही है। उनके समक्ष आसनन्कुछ चुनौतियों पर एक नजर इमरान के खिलाफ बने माहौल में वहां की खराब होती अर्थव्यवस्था की बड़ी भूमिका थी। अभी पाकिस्तान पर 130 अरब डालर (करीब 7.8 लाख करोड़ रुपये) का कर्ज है। पाकिस्तानी रुपये में यह कर्ज 23.79 लाख करोड़ रुपये है, जो वहां की जीडीपी के 43 प्रतिशत के बराबर है। महंगाई भी 12 प्रतिशत से ऊपर चल रही है। पाकिस्तानी रुपया अमेरिकी डालर के मुकाबले गिरकर 190 पर आ गया है। इस्लामाबाद में एक शोध संगठन पाकिस्तान इंस्टीट्यूट आफ डेवलपमेंट इकोनमिक्स (पीआइडीई) के कुलपति नदीम उल हक का कहना है कि पाकिस्तान इस समय दिशाहीन है। अर्थव्यवस्था में बदलाव के लिए को बदलने के लिए सख्त नीतिगत सुधारों की आवश्यकता है। पूरे विश्व में पाकिस्तान की पहचान आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश के रूप में है। पाकिस्तान खुद भी इस आतंकवाद का दंश झेल रहा है। हाल के महीनों में पाकिस्तान में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के हमले तेज हो गए हैं। टीटीपी को 'पाकिस्तानी तालिबान' भी कहा जाता है। इस आतंकी संगठन की जड़े अफगानिस्तान से जुड़ी हैं। इमरान ने इस स्थिति से निपटने के लिए टीटीपी से वार्ता का भी प्रयास किया था, लेकिन वह विफल रहा। जानकारों का कहना है कि नई सरकार के सामने पैर पसारता आतंकवाद बड़ी चुनौती है। बलूचिस्तान में स्थानीय विद्रोह से निपटना भी उसके लिए आसान नहीं होगा। सियासी संघर्ष के बीच इमरान खान ने यहां तक कह दिया था कि उनकी सरकार गिराने के पीछे अमेरिकी साजिश है। इस बयान को अमेरिका और पाकिस्तान के बीच रिश्ते में दरार के तौर पर देखा जा रहा है। नए प्रधानमंत्री को अमेरिका के साथ रिश्ते सुधारने की दिशा में भी काम करना होगा। यूक्रेन पर रूस के हमले के दौरान इमरान के मास्को दौरे ने भी पश्चिमी देशों से पाकिस्तान के रिश्ते खराब किए हैं। यही नहीं, जब कई देश मानवाधिकारों के उल्लंघन को लेकर चीन की राजधानी बीजिंग में हो रहे विंटर ओलिंपिक्स का विरोध कर रहे थे, तब इमरान कार्यक्रम में शामिल हुए थे। राजनीतिक विश्लेषक तौसीफ अहमद खान ने कहा कि नई सरकार को विदेश नीति के मोर्चे पर हुए इस नुकसान की भरपाई के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी।

जौनपुर और गाजीपुर में भाजपा उम्मीदवार की जीत, आजमगढ़ और वाराणसी में निर्दल जीते

वाराणसी। उत्तर प्रदेश एमएलसी चुनाव परिणाम के लिए मतगणना सुबह आठ बजे से शुरू हुई तो धीरे धीरे परिणाम सामने आने लगा। पूर्वांचल की चार एमएलसी सीटों वाराणसी, गाजीपुर, आजमगढ़, जौनपुर के लिए सुबह आठ बजे से मतगणना का क्रम शुरू हुआ तो उम्मीदवारों के दिलों की धड़कन भी बढ़ गई। इस प्रकार पूर्वांचल के चार जिलों के चार सीटों के लिए मंगलवार की सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू होने के बाद दलों की नजर परिणामों पर टिक गई। सभी जिलों के मतदान केंद्रों पर सुबह से ही सुरक्षाकर्मियों के घेरे में मतदान केंद्र रहा और मतगणना स्थल पर काउंटिंग टीमों के साथ विभिन्न दलों के मतगणना एजेंटों ने भी पहुंचकर अपने दलों के लिए परिणाम नोट करना शुरू कर दिया। जिलों के मतगणना स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस फोर्स तैनात की गई थी। मीरजापुर जिले में विनीत सिंह भाजपा से निर्विरोध पूर्व में ही जीत हासिल पहले ही कर चुके हैं। वाराणसी में निर्दल उम्मीदवार अन्नपूर्णा सिंह जीतीं : एमएलसी चुनाव में सभी चरणों की मतगणना पूरी हो गई। प्रथम चरण में 2400 वोटो की गिनती हुई है। 2058 वोट

पाकर चर्चित एमएलसी बृजेश सिंह की पतने पूर्व एमएलसी अनन्पूर्णा सिंह आगे रही। वहीं आखिरी चरण में अन्नपूर्णा सिंह 4234 मत पाकर जीत गईं। कुल 4949 में 4876 वोट इस चुनाव में पड़े हैं। जौनपुर से भाजपा प्रत्याशी बृजेश सिंह प्रिंसू विजयी : एमएलसी चुनाव के मतों की गणना दो घंटे ही यानी दस बजे पूरी हो गई। इस दौरान भाजपा प्रत्याशी बृजेश सिंह प्रिंसू 2357 मतों से विजयी हुए। हालांकि अभी जिला निर्वाचन अधिकारी की तरफ़ से अंतिम घोषणा नहीं की गई है। इस दौरान पड़े कुल 3961 मतों में भाजपा प्रत्याशी बृजेश सिंह प्रिंसू को 3129 मत, सपा प्रत्याशी डाक्टर मनोज यादव को 772 व निर्दल प्रत्याशी भानू प्रसाद को 11 मत मिले। 51 मत अवैध घोषित किए गए हैं। गाजीपुर में भाजपा प्रत्याशी विशाल सिंह चंचल विजयी : भाजपा के एमएलसी प्रत्याशी विशाल सिंह चंचल चुनाव जीत गए हैं। काउंटिंग हाल से बाहर आए सपा प्रत्याशी मदन यादव ने बताया कि उन्हें कुल 631 मत मिले हैं। कुल 3097 पड़े थे। इसमें 80 मत अवैध रहे। चंचल को कुल 2386 मत मिले हैं। हालांकि, सुबह 10.30 बजे तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई थी। आजमगढ़ में निर्दलीय विक्रांत सिंह रिशू जीते :आजमगढ़ -मऊ स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद सदस्य (एमएलसी चुनाव- 2022) का चुनाव परिणाम मंगलवार को दिन में 11 बजे तक आ गया। भाजपा के बागी प्रत्याशी और एमएलसी यशंवत सिंह के पुत्र निर्दलीय प्रत्याशी विक्रांत सिंह रिशू 4076 मत पाकर विजयी हुए। जबकि भाजपा के अरुणकांत यादव को 1262 और सपा के राकेश कुमार यादव को 356 मत मिले हैं। निर्दलीय अंबरीश को मात्र 13 और सिकंदर कुशवाहा को तीन मत ही प्राप्त हो सके। उम्मीदवारों की बढ़ी रही धड़कनें : सुबह आठ बजे से काउंटिंग शुरू हुई तो उम्मीदवारों के दिलों की धड़कन भी बढ़ गई। कुछ जिलों में बाक्स खोलने में दिक्कत आई तो विशेषज्ञों को बुलाकर समस्या का निराकरण किया गया। वहीं पूर्वांचल की चारों सीटों पर मुख्य मुकाबला समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों के बीच ही था। पूर्वांचल में सपा साफ : पूर्वांचल में इस बार समाजवादी पार्टी को एमएलसी की एक भी सीटें हासिल नहीं हो सकीं। मीरजापूर, जौनपुर और गाजीपुर में सीटें भाजपा के खाते में गईं तो आजमगढ़ और वाराणसी में निर्दल उम्मीदवारों ने जीत हासिल की हैं।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना के नए वैरिएंट आते रहेंगे इनसे घबराने की जरूरत नहीं, 'एनटागी' के चेयरमैन डाक्टर अरोड़ा ने देशवासियों को दी सलाह

नई दिल्ली। कोरोना के नए वैरिएंट आते रहेंगे। ये नए वैरिएंट गंभीर बीमारियों का कारण नहीं बन रहे हैं और न ही मामलों की संख्या में वृद्धि नहीं कर रहे हैं। इसलिए इन्हें लेकर घबराने की जरूरत नहीं है। यह बात भारत में कोरोना के वर्किंग ग्रुप के टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटागी) के चेयरमैन डा.एनके अरोड़ा ने कहा एक विशेष साक्षात्कार में, डा.अरोड़ा ने कहा कि कोरोना के वैरिएंट आते रहेंगे लेकिन फिलहाल ये न तो बीमारी को गंभीर बना रहे और न ही मामलों की संख्या में वृद्धि नहीं कर रहे हैं। इसलिए घबराने की कोई बात नहीं है। भारतीय डाटा द्वारा दिए गए तथ्यों और आंकड़ों के अनुसार इस समय कोई भी वैरिएंट गंभीर बीमारी पैदा नहीं कर रहा है। दूसरा यह कि इनमें से किसी मरीज या उनके संपर्क में आए लोगों को कोई गंभीर बीमारी थी, यह भी सच नहीं। महाराष्ट्र और गुजरात में रिपोर्ट किए गए एक्सई वैरिएंट के मामलों पर डा. अरोड़ा ने कहा कि वर्तमान में भारत एक्सई वैरिएंट से जो कुछ भी वर्णित किया गया है, वह केवल परीक्षण की पहली लेयर के आधार पर कहा गया। ऐसे में कोई भी बहुत विश्वास के साथ नहीं कह सकता कि यह एक्सई के कारण है या एक्सई के प्रारंभिक वैरिएंट के कारण है जैसा कि एक राज्य द्वारा बताया गया है। इसके चलते निष्कर्ष यह निकला कि यह या तो एक्सएम था या एक्सएल न कि एक्सई। डा.अरोड़ा ने कहा कि नए वैरिएंट के लिए तीन लेयर के परीक्षण की जरूरत है। इंडियन सार्स-सीओवी जीनोमिक्स कंसोटिन्यम (इंसाकाग) इस पर नजर बनाए हुए है। ऐसी स्थिति में महाराष्ट्र या गुजरात जहां भी पहले टेस्ट के बाद एक्सई मिलने का दावा किया गया वहां लोगों में बीमारी पनपने या मामले बढ़ने की बात सामने नहीं आई।

जेएनयू में विवाद पर केंद्र ने मांगी विस्तृत रिपोर्ट हिरासत में 70 प्रदर्शनकारी, विवि प्रशासन का दावा- पूजा के विरोध से बिगड़ा माहौल

नई दिल्ली। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में रामनवमी को छात्रों के दो गुटों के बीच हुई मारपीट के मामले को नया रंग देने की हो रही कोशिश के बीच शिक्षा मंत्रालय ने विश्वविद्यालय प्रशासन से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। जानना चाहा है कि विवाद का केंद्र सिर्फ एक छात्रावास ही क्यों बना है। इस मामले में एबीवीपी और वामपंथी छात्र संगठनों ने एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई हैं। पत्रकार वार्ता कर घटना से जुड़े वीडियो भी जारी किए। पुलिस को आठ शिकायतें मिली थीं। वसंत कुंज नार्थ थाना पुलिस ने दोनों ओर से क्रास एफआइआर दर्ज की है। इसमें वामपंथी संगठनों से जुड़े 14 छात्रों को नामजद किया गया है। जिला पुलिस उपायुक्त ने मामले की जांच के लिए एसीपी के नेतृत्व में दो टीमें बना दी हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से मंत्रालय को जो प्रारंभिक जानकारी दी गई है, उसके मुताबिक नानवेज को बेवजह मुद्दा बनाया जा रहा है, उसका विवाद से कोई लेना-देना नहीं है। न ही विश्वविद्यालय में इसके खाने पर कोई रोक है। रामनवमी पर पूजा का विरोध किए जाने की वजह से ही विवाद बढ़ा। कुलसचिव प्रो. रविकेश ने बताया कि खुद कुलपति प्रो. शांतिश्री पंडित ने कावेरी छात्रावास पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और छात्रों से शांति बनाए रखने के लिए कहा है। मामले की जांच कर रही पुलिस ने सोमवार को जेएनयू प्रशासन और शिकायतकर्ताओं से बातचीत की। इंटरनेट मीडिया पर वायरल वीडियो के जरिये पुलिस ने करीब 30 छात्रों की पहचान की है। इनमें 12 से 14 छात्रों को नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। पुलिस फिलहाल साक्ष्य के लिए सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को सुरक्षित कर

रही है। पुलिस पता कर रही है कि रामनवमी की पूजा नहीं करने देने संबंधी पोस्टर कब और किसने लगवाए थे। एहतियातन विवि परिसर के अंदर व बाहर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। मुख्य गेट सहित सभी गेट पर पुलिस बल तैनात है। परिसर में सिर्फ जेएनयू के छात्रों और स्टाफ को ही आइकार्ड देखकर अंदर जाने दिया जा रहा है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की जेएनयू इकाई अध्यक्ष रोहित ने पत्रकार वार्ता में कहा कि छात्रों ने रामनवमी पर पूजा करने का निणर्य लिया था। इसके बाद से ही वामपंथी छात्र धमकी दे रहे थे। उनका कहना था कि किसी भी कीमत पर जेएनयू में पूजा नहीं करने दी जाएगी। इसके बाद कावेरी हास्टल के वार्डन के नाम से लिखा फर्जी पत्र जारी करके पूजा रोकने की कोशिश की गई। इस पत्र में संबंधित अथारिटी के हस्ताक्षर व मुहर तक नहीं थी। रोहित ने कहा कि रविवार को भी पूजा रोकने के लिए करीब 150 वामपंथी फर्जी लेटर, लाठी-डंडे, पत्थर और राड लेकर पहले ही पहुंच गए और पूजा के लिए लगाए गए झंडे फाड़ दिए। इससे साढ़े तीन बजे से शुरू होने वाली पूजा साढ़े पांच बजे शुरू हो सकी। रोहित ने कहा कि रविवार को परिसर के सभी हास्टल में मांसाहार बना था, जबकि रामनवमी पूजा के कारण सबकी सहमति से तय हुआ था कि कावेरी हास्टल के मेस में मांसाहार नहीं बनेगा। इसके बावजूद वामपंथी जानबूझकर चिकन के एजेंडे को बीच में ला रहे हैं। वामपंथी छात्र संगठन एसएफआइ के अध्यक्ष हरेंद्र ने आरोप लगाया है कि एबीवीपी पदाधिकारियों ने कावेरी हास्टल में मांसाहार (चिकन) नहीं बनने दिया। मीट सप्लाई करने वाले वेंडर को भगा दिया, जिससे बहुत से छात्रों को भूखे रहना पड़ा। डीएसएफ की अध्यक्ष स्वाति सिंह ने आरोप लगाया कि एबीवीपी के लोगों के हमले में कई छात्र चोटिल हुए हैं। एबीवीपी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की मांग करते हुए पुलिस मुख्यालय के नजदीक आइसा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। पुलिस ने धारा 144 का उलंघन करने के आरोप में 70 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है, जिनमें 22 युवतियां हैं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर अभद्रता और बदसुलूकी का आरोप लगाया है। रामनवमी पर कावेरी छात्रावास के छात्र पूजा और हवन करना चाहते थे। छात्रों का एक धड़ा पूजा का विरोध कर रहा था। विरोध बढ़ा तो वार्डन और स्टूडेंट वेलफेयर डीन प्रो. सुधीर प्रताप सिंह ने बीच बचाव किया था। इसके बाद हवन शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। इससे नाराज छात्रों के एक धड़े ने रात्रि के भोजन के समय विवाद खड़ा कर दिया। इससे धक्कामुक्की शुरू हो गई। जहां तक मांसाहार बनाने या नहीं बनाने की बात है तो मेस का संचालन छात्रों की कमेटी करती है। इसमें जेएनयू प्रशासन का कोई लेना देना नहीं है।

जलाभिषेक के तहत प्रदेश में 5 हजार अमृत सरोवरों का होगा निर्माण- मुख्यमंत्री

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल। 11 अप्रैल 2022- मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज रायसेन जिले के कहुला

गांव से जलाभिषेक कार्यक्रम का शुभारंभ किया एवं वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के लोंगों को सम्बोंधित किया। इस मौके पर प्रदेश के 10 हजार से अधिक पुष्कर सरोवरों एवं अन्य जल संरचनाओं के निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया गया। साथ ही जल सरंक्षण से संबंधित पुस्तिका का विमोचन, 551 जल योद्धाओं का सम्मान एवं महिला स्व सहायता समूह की सदस्यों का सम्मान किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले कुआं, तालाब, बावडी सहित अन्य जल स्त्रोतों का निर्माण कर पृथ्वी में जल स्तर बढाने एवं निजी उपयोग हेतु पानी की पूर्ति के कार्य किये जाते थे। वर्तमान समय में तालाबों को खेत बनाया जा रहा है धरती के पेट अधिकाधिक पानी खींचकर जल स्तर को नीचे पहुंचाया जा रहा है, ,जंगल, पेड़ काटे जा रहे है जिससे पर्यावरण बिगड़ रहा है , तापमान बढ रहा है और भूमि क्षरण भी हो रहा है, तापमान बढने से ग्लेशियर पिघलेगें और मानव का जीवन संकटग्रस्त हो जाएगा, इसके निदान हेतु प्रदेश में जलाभिषेक कार्यक्रम चलाकर जल स्तर को बढावा देने छोटी-छोटी संरचनाओं का निर्माण करने, पेड़ पौधें लगाकर पर्यावरण को संरक्षित और संवर्धित करने का कार्य, तेज गति से किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व में साढे 7 हजार हेक्टेयर सिंचाई का रकवा था जो अब हमारी सरकार ने बढकर 65 हजार हेक्टेयर हो गया है। उन्होंने सभी को संकल्प दिलाते हुए कहा कि अधिकाधिक पेड़ लगाए, स्वच्छता बढाए और बेटियों का सम्मान करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2 मई को लाड़ली लक्ष्मी दिवस मनाया जाएगा तथा मेधावी छात्र योजना को पुनः संचालित किया जाएगा। मुख्यमंत्री के जलाभिषेक कार्यक्रम संबंधित वर्चुअल उद्वोधन को स्थानीय एनआईसी कक्ष में अध्यक्ष महिला वित्त विकास निगम मध्यप्रदेश शासन श्रीमती अमिता चपरा, कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री हिमांशु चंद्र, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के श्री ए.बी निगम, जनपद पंचायत सोहागपुर उपाध्यक्ष श्री भूपेन्द्र मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी देखा एवं सुना।

शिक्षित युवा बेरोजगारों को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए जनपद में मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना संचालित

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा ।उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केंद्र गौतम बुद्ध ने जनपद के शिक्षित युवा बेरोजगारों का आह्वान करते हुए जानकारी दी है कि स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से नवीन उद्योग/उद्यम स्थापित करने के लिए जनपद में मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना संचालित की जा रही है। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना वर्ष 2022-23 में पात्रता रखने वाले पुरुष/महिला उद्यमी निर्धारित प्रारूप पर आवेदन कर सकते हैं। यदि किसी आवेदक को आवेदन पत्र भरने में कोई कठिनाई होती है तो कार्यालय में स्थापित हेल्पडेस्क से सहायता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने पात्रता के संबंध में बताया कि आवेदक उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होना चाहिए तथा जनपद का कम से कम 3 वर्ष निवासी हो, जिसकी आयु 18 वर्ष से 40 वर्ष तक होनी चाहिए एवं हाई स्कूल पास हो। आवेदक द्वारा पूर्व में संचालित प्रधानमंत्री रोजगार योजना, वर्तमान में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, समाजवादी युवा स्वरोजगार योजना या केंद्र अथवा राज्य सरकार द्वारा संचालित अन्य किसी स्वरोजगार योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त न किया हो। वह किसी सरकारी संस्था/बैंक का डिफॉल्टर न हो। आवेदक द्वारा पात्रता की शर्तों को पूर्ण किए जाने के संबंध में शपथ पत्र प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य है। योजना के अंतर्गत सामान्य श्रेणी के लाभार्थियों द्वारा परियोजना लागत का 10 अपने अंशदान के रूप में जमा करना होगा। विशेष श्रेणी के लाभार्थियों यथा अनु0 जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, महिला एवं विकलांगजन के लिए अंशदान की सीमा कुल परियोजना लागत की 5ज्ञ् होगी। योजना के अंतर्गत राष्ट्रीयकृत बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों द्वारा वित्त पोषण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना की विस्तृत जानकारी तथा आवेदन प्राप्त करने के लिए किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से संपर्क कर प्राप्त किए जा सकते हैं।उक्त जानकारी राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी ।

21 अप्रैल को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नोएडा में होगा अप्रेंटिस मेले का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा ।राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नोएडा के प्रधानाचार्य मनोज सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आई.टी.आई. पास अभ्यार्थियों के लिए आगामी 21 अप्रैल को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ई-1 सेक्टर 31 निठारी नोएडा जनपद गौतम बुद्ध नगर में बृहद अपरेंटिस मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें अभ्यार्थी सुबह 10:00 से शाम 3:00 बजे तक अपने सभी मूल प्रमाण पत्र एवं छाया प्रति के साथ मेले में प्रतिभाग कर सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि आयोजित होने वाले रोजगार मेले में जनपद गौतम बुद्ध नगर कि लगभग 40 कंपनी सैमसंग, एक्सीडी, यामाहा इ0लि0, सिस्कॉम कॉरपोरेशन, डिक्शन लिमिटेड, नोबलको लिमिटेड, डेंसो इ0लि0, ग्रैजियानो, सी एन एच, मिंडा ग्रुप आदि कंपनियां प्रतिभाग करेंगी। अतः आई.टी.आई. पास अभ्यर्थी आयोजित होने वाले अप्रेंटिस मेले में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर अप्रेंटिस मेले का लाभ उठाएं।उक्त जानकारी राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी ।

मर्यादा पुरुषोत्तम राम भक्तवत्सल व सुखदायक है :-कथा व्यास स्वामी पंचमानंद जी महाराज

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा ।राम भक्त वत्सल व सुखदायक है ।वे सभी भक्तों का ख्याल रखते हैं इसीलिए उन्हें आनंदकंद कहा गया है उक्त विचार महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद जी महाराज सेक्टर 82 के पाकेट 7 मे चल रही रामकथा के चौथे दिन पुष्प वाटिका निरीक्षण प्रसंग में कही। श्री स्वामी जी ने कहा बालक और लक्ष्मण के साथ लेकर श्रृषि विश्वामित्र , सीता स्वयंवर देखने

के जनकपुर पहुंच गए। रास्ते में श्री राम ने राक्षसों का वध करते हुए अहिल्या का उद्धार किया उद्धार करने के बाद चलते हुए जनकपुर पहुंचे जहां राजा जनक ने मुनि विश्वामित्र का आदर सत्कार किया। रहने व खाने की सुंदर व्यवस्था दी। सीता जी का स्वयंवर होने वाला है इस दृष्टि से देश देश के राजा सीता स्वयंवर में भाग लेने के लिए जनकपुर पहुंच चुके हैं पूरे नगर को दुल्हन की तरह सजाया गया है राम जी मुनि विश्वामित्र के साथ भोजन करके भाई लक्ष्मण के साथ गुरू जी के समीप जमीन पर बैठे हैं ।सायंकाल का समय नजदीक है दिन मात्र एक पहर बचा हैं।नगर की मोहक छटा को देखने के लिए लक्ष्मण जी के मन में एक लालसा है लेकिन बड़े भाई के भय एवं गुरु के प्रति संकोच के भाव से लखनलाल अपने मन के विचारों को प्रकट नहीं कर पा रहे हैं । लखन हृदय लालसा विषेखी। जाइ जनकपुर आइहि देखी। रामजी तो अंतर्यामी है वे भाई के मनोभाव को समझ गए।मन में विराजमान भक्तों के प्रति प्रेम का भाव हृदय में हिलोरें लेने लगा गुरु जी की आज्ञा से राम बडे आदर भाव से गुरुदेव से लखनलाल के मन की बात कह दी प्रभु आप आज्ञा दें तो लखनलाल को नगर की सुंदर छवि को दिखा करके वापस आ जाय।मुनिवर प्रसन्न होकर बोले ।राम तुम मर्यादा के प्रतीक हो अपने भक्तों को सुख देने वाले हो इसलिए जाओ और लखन को जनकपुर का भ्रमण करा लाओ ।राम और लक्ष्मण नगर भ्रमण पर निकले उनके श्याम और गौर शरीर को देखकर नगर के सभी लोग बड़े आनंदित हुए राम और लक्ष्मण के हाथ में धनुष बाण सुशोभित है ,मस्तक पर चंदन लगा हुआ है ,सिर पर सुंदर घुंघराले बाल हैं।नगर वासियों को पता चलता है कि दो सुंदर कुमार नगर को देखने आए हैं तब सभी लोग अपना काम छोड़कर सुंदर मनोहर जोड़ी को देखने के लिए दौड़ पड़े राम के दर्शन कर आपस में कहने लगते हैं। सुर, नर ,असुर नाग मुनि माही शोभा असि कहुँ सुनियत नाही।। इन बालकों की सुंदरता तो ना देवताओं में देखी गई न नाग,असुर व मानव मे । सखियां राम को देख उन्हें सीता के लिए योग्य वर के रूप में योग्य समझने लगती हैं और मन में विश्वास करती हैं की धनुष यज्ञ में सीता इन्हीं का वरण करेगी लेकिन जब धनुष की कठोरता समझ में आती हैं तो सखियां सहम जाती हैं राम जी स्वयंबर भूमि को देखने के लिए पहुंच जाते हैं वहां बने विशाल मंच को बड़े ही ध्यान से देखतेहैं फिर पुष्प वाटिका की ओर बढ़ते हैं जहां सीता भी दिखाई देती है दोनों में एक दूसरे के प्रति प्रेम का भाव उत्पनन्न हो जाता है। पुष्प वाटिका मैं राम और जानकी का मिलन आत्मा और परमात्मा के मिलन का संकेत देता है । मानवअपने जीवन में यदि प्रभु से प्रेम करें उसका जीवन धन्य हो जाता है और उसकी आत्मा परमात्मा में इस प्रकार की जुड़ जाती है जैसे जगत जननी सीता की राम के साथ राम सब को सुख देने वाले हैं और इसीच भाव से पुष्प वाटिका में आई हुई सखियां कहती भी हैं वय किशोर सुषमा सदन ,श्याम गौर सुख धाम। अंग पर बारिअहि कोटि-कोटि सत काम।। इस मौके पर आचार्य विश्व नाथ त्रिपाठी,गौरव जी,के के शर्मा, अंगद सिंह तोमर, एन के सोलंकी,गिरिराज जी, रमेश वर्मा, रवि राघव,शिव चौधरी,रमेश चंद्र शर्मा,संजय पाण्डेय,गोरे लाल, रमेश दास,हरि शंकर सिंह,अमितेश सिंह,संगम प्रसाद मिश्र,अजय सिंह,धर्मेन्द्र सिंह,हंसमणि शुक्ल,राजेश पाठक,सिया राम,राजेश गुप्ता,पं विनोद मिश्र ,अवनीश तिवारी,प्रमोद श्रीवास्तव,देवेन्द्र गुप्ता,राजबीर प्रदीप तोमर आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे ।

ब्लाक कांग्रेस ब्योहारी ने निकाली भगवान राम की भव्य शोभायात्रा

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी निर्देश पर ब्लाक कांग्रेस कमेटी ब्योहारी द्वारा 10 अप्रैल दिन रविवार

को रामनवमी के पावन पर्व पर हमारे आराध्य प्रभु श्री राम जी के जयंती पर विशाल कलश व शोभायात्रा निकाली गई यात्रा में श्री रामचन्द्र जी के स्वरूप को रथ पर विराजमान कर हनुमान मंदिर ब्योहारी से ब्लाक कांग्रेस कमेटी ब्योहारी के अध्यक्ष विनोद ताम्रकार द्वारा पुजा अर्चना कर शोभायात्रा का शुभारंभ गाजे बाजे के साथ किया व नगर भ्रमण करवाते हुए शोभायात्रा बस स्टैंड से होकर नगर के बहुचर्चित देवी मंदिर पहुंची जहां पर पुनः पुजा अर्चना कर शोभायात्रा आगे बढ़कर मार्तण्ड गंज वार्ड क्रमांक 9 पहुंची जहां पर विनय फोटो कापी के संचालक अलोक श्रीवास्तव द्वारा यात्रा में शामिल भक्तजनों को चाय पानी की व्यवस्था की गई इसके पश्चात शोभायात्रा नगर भ्रमण करते हुए बनसुकली चौराहा से टोपनदास चौराहा से होकर नगर के लक्ष्मीनारायण मंदिर पहुंची जहां पर भगवान श्री लक्ष्मी नारायण की पुजा अर्चना कर शोभायात्रा आगे बढ़ी और झंडा बजार होते हुए नगर के प्रसिद्ध राम मंदिर पहुंची जहां पर भगवान श्री राम की विधिवत पूजा अर्चना कर जय श्री राम की गुंज के साथ समुचा मंदिर परिसर गूंज उठा इसके पश्चात शोभायात्रा आगे बढ़ी और नगरिया मंदिर जहां पर श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण कर रहे भक्तजनों ने शोभायात्रा में भगवान श्री राम की पुजा की इसके बाद शोभायात्रा नगर के वार्ड क्रमांक 11 में कोरियान टोला होते हुए हाई स्कूल से एसडीओपी कार्यालय से हनुमान मंदिर पहुंची जहां पर भगवान श्री राम की पुजा अर्चना कर शोभायात्रा का समापन किया गया एवं यात्रा में शामिल भारी संख्या में नगर वासियों व सहयोगियों को प्रसाद वितरित किया गया शोभायात्रा में भारी संख्या में आम जन मानस व यह रहें उपस्थित हरेंद्र सिंह अशोक श्रीवास्तव हरिमोहन तिवारी महेंद्र बरगाही सतेन्द्र त्रिपाठी पिंटू पुष्पेंद्र पटेल आयुष ताम्रकार विक्रम सिंह बघेल हरिशंकर कोरी पुष्पेंद्र परौहा हरि सिंह बरगाही पप्पू नामदेव अरविंद पाण्डेय चिरंजीव लाल चंचलानी प्रकाश ताम्रकार लक्ष्मीकांत तिवारी नारेन्द पांडे गीता कोल विकास द्विवेदी नारेन्द्र सिंह राजेंद्र सोनी एल एम त्रिपाठी कौशल परस्ते कमला कोरी नागेन्द्र वर्मा नीलेन्द शर्मा दिलीप मरावी ओपी शुक्ला सुंदर लाल गुप्ता आशीष शुक्ला सहित हजारों की तदाद में भक्तजन व सहयोगी उपस्थित रहे

हाथियों से सुरक्षा के लिए उच्च स्तरीय बैठक हुई

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल। शहडोल संभाग में हाथियों से सुरक्षा के लिए आज जयसिंह नगर में राजस्व वन विभाग एवं पुलिस विभाग के उच्चा अधिकारियों की बैठक संपन्न हुई बैठक में कमिश्नर शहडोल संभाग से राजीव शर्मा, उप पुलिस महानिरीक्षक श्री डीसी सागर, कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्या, पुलिस अधीक्षक श्री अवधेश कुमार गोस्वामी, अपर कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा, डीएफओ वन श्री गौरव चौधरी सहित वन विभाग एवं पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अंतर्गत द्वितीय चक्र में 12 अप्रैल से 20 अप्रैल, 2022 के मध्य में होगा निशुल्क खाद्यान्न का वितरण

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा ।जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर सुहास एल.वाई. के निर्देशों के क्रम में जिला पूर्ति अधिकारी गौतम बुद्ध नगर चमन शर्मा ने अंत्योदय तथा पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारकों का आह्वान करते हुए जानकारी दी है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अंतर्गत आच्छादित अंत्योदय तथा पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारकों को 12 अप्रैल से 20 अप्रैल 2022 तक खाद्यान्न का ई-पोस मशीनों के माध्यम से गुणवत्ता परक निःशुल्क वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि निशुल्क खाद्यान्न का वितरण दिनांक 12 अप्रैल 2022 से प्रारंभ होकर दिनांक 20 अप्रैल 2022 तक संपन्न होगा। उक्त अवधि में अंत्योदय कार्ड धारकों को 35 किग्रा0 खाद्यान्न (20 किग्रा0 गेहूं तथा 15 किग्रा0 चावल) तथा पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारकों से सम्बद्ध यूनिटों पर 5 किग्रा0 खाद्यान्न प्रति यूनिट (3 किग्रा0 गेहूं व 2 किग्रा0 चावल का निःशुल्क वितरण लाभार्थियों में सुनिश्चित कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि राशन कार्ड धारकों को पोर्टेबिलिटी के अंतर्गत खाद्यान्न प्राप्त करने की सुविधा उपलब्धता रहेगी तथा पोर्टेबिलिटी चालान जनरेट किये जाने की सुविधा दिनांक 16 अप्रैल 2022 से 17 अप्रैल 2022 तक उपलब्ध रहेगी। उन्होंने बताया कि उक्त योजना के तहत राशन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 20 अप्रैल 2022 होगी, जिस दिन आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त न कर सकने वाले उपभोक्ताओं के लिए मोबाइल ओ.टी.पी. वेरिफिकेशन के माध्यम से खाद्यान्न का वितरण संपन्न कराया जाएगा। कोविड-19 से उत्पन्न परिस्थितियों के दृष्टिगत आवश्यक वस्तुओं का निर्बाध रूप से वितरण सुनिश्चित कराने के लिए विक्रेताओं द्वारा द्वितीय चक्र के वितरण के दौरान खाद्यान्न वितरण का कार्य प्रातः 6.00 बजे से रात्रि 9.00 बजे तक सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने जन सामान्य एवं उचित दर विक्रेताओं का यह भी आह्वान किया कि उनके द्वारा वितरण के समय उचित दर दुकानों पर सामाजिक दूरी बनाकर रखें और कोविड प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने समस्त उचित दर विक्रेताओं को निर्देश देते हुए कहा कि वह वितरण समाप्त होने तक अपनी उचित दर दुकान खुली रखेंगे एवं नोडल अधिकारी की उपस्थिति में वितरण करेंगे, यदि किसी भी उचित दर दुकानदार की घटतौली की शिकायत प्राप्त होती है तो, शिकायत की जांच में पुष्टि होने पर कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। अतः राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा की सूची में सम्मिलित समस्त उपभोक्ता संबंधित उचित दर विक्रेताओं से खाद्यान्न प्राप्त करें और यदि कोई उचित दर खाद्यान्न नहीं देता है, तो अपनी तहसील में संबंधित उप जिलाधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी एवं क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी/पूर्ति निरीक्षक से शिकायत कर सकते हैं। राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी ।

कंगना रनोट का पर्दे पर 'धाकड़' अंदाज देखने के लिए बेसब्र हुए फैंस, इस दिन होगा टीजर रिलीज

नई दिल्ली। बॉलीवुड क्वीन कंगना रनोट असल जिंदगी में कितनी 'धाकड़' हैं, ये तो आप सब जानते हैं। अपने अभिनय के साथ-साथ अपने बेबाक बोल और बिंदास अंदाज के लिए भी

काफी मशहूर हैं। बॉलीवुड से जुड़ा मुद्दा हो या फिर सामजिक मुद्दों पर राय कंगना रनोट खुलकर अपनी भावनाएं व्यक्त करती हैं। कंगना सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं और वह अपने फैन्स से पल-पल जुड़ी रहती हैं। अपने विवादित ओटीटी शो 'लॉक-अप' में अपनी शानदार होस्टिंग को लेकर तो कंगना रनोट चर्चा में हैं ही, लेकिन इसी के साथ अब वह अपनी आगामी और मोस्ट अवेटेड फिल्म 'धाकड़' को लेकर भी चर्चा में आ गईं। हाल ही में कंगना ने अपनी स्पाई-एक्शन फिल्म का पोस्टर शेयर किया। कंगना द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए इस पोस्टर में अभिनेत्री का काफी अलग अंदाज देखने को मिल रहा है। ब्लूंड कट में और स्पाई लुक में नजर आ रहीं कंगना का लुक वाकई दमदार है। कंगना अपनी एक्शन स्पाई फिल्म 'धाकड़' में स्पाई एजेंट अग्नि के किरदार में नजर आने वाली हैं। इसका नया पोस्टर अपने इन्स्टाग्राम पर शेयर करते हुए कंगना ने कैप्शन में लिखा, 'अग्नि आ रही है। धाकड़ का टीजर कल यानी कि 12 अप्रैल को रिलीज हो रहा है। कंगना के टीजर की अनाउसमेंट ने फैन्स के मन में फिल्म को देखने की उत्सुकता और भी अधिक बढ़ा दी हैं। कंगना रनोट के पोस्टर पर फैन्स लगातार अपनी उत्सुकता जाहिर कर रहे हैं और बता रहे हैं कि वह अभिनेत्री की फिल्म और उनकी पहली स्पाई एक्शन फिल्म के टीजर का कितनी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कुछ समय पहले ही कंगना द्वारा शेयर किए गए इस पोस्ट को अब तक 1 लाख 40 हजार से अधिक लाइक्स मिल चुके हैं। पोस्टर पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, 'धाकड़ का टीजर देखने के लिए बहुत ही उत्सुक हूं'। दूसरे यूजर ने लिखा, 'फायर लेडी'। अन्य यूजर ने लिखा, 'बेबी हमारी धाकड़ है धाकड़'। कई फैन्स ने तो फिल्म रिलीज से पहले ही कंगना की फिल्म को ब्लॉकबस्टर बताया। कंगना रनोट की आगामी फिल्म 'धाकड़' 27 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इससे पहले यह फिल्म 8 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी, लेकिन दिसम्बर और जनवरी में पैनडेमिक की वजह से कई फिल्मों की रिलीज डेट्स आगे-पीछे हुई, जिसके चलते धाकड़ की रिलीज डेट भी बदलनी पड़ी। इस फिल्म में कंगना रनोट के अलावा अर्जुन रामपाल और दिव्या दत्ता भी अहम् भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन रजनीश घई ने किया है। हिंदी के अलावा यह फिल्म तमिल, तेलुगु और मलयालम भाषा में रिलीज होगी।

पलक तिवारी का चॉकलेट ड्रेस में दिखा बोल्ड एंड ग्लैमरस अंदाज, फैंस ने कहा बिजली का करंट हो आप

नई दिल्ली। श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी अपने डेब्यू से पहले ही सोशल मीडिया स्टार बन चुकी हैं। 21 साल की कम उम्र में पलक अपने फैशन से न सिर्फ अपनी मां श्वेता तिवारी बल्कि बड़ी-बड़ी अभिनेत्रियों को मात देती हैं। पलक तिवारी सोशल मीडिया पर जब भी कोई पोस्ट करती हैं तो वह तुरंत

ही सोशल मीडिया पर वायरल हो जाता है। हाल ही में पलक ने अपने सोशल मीडिया पर एक के बाद एक ग्लैमरस तस्वीरें पोस्ट की, जिसे देखने के बाद फैन्स जमकर सोशल मीडिया स्टार बन चुकीं पलक पर प्यार लुटा रहे हैं। पलक ने अपने इंस्टाग्राम पर हाल ही में कई तस्वीरें पोस्ट की। उनकी इन तस्वीरों ने लोगों का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित किया। इन तस्वीरों में पलक तिवारी चॉकलेट रंग की वन पीस ड्रेस में नजर आ रही हैं। वह काउच पर बैठकर पोज दे रही हैं। अपनी इस ड्रेस के साथ उन्होंने ब्लैक रंग की हील पहनी हुई है, साथ ही हाथ में ब्रेसलेट और रिंग पहनी हुई है। उनके ओपन हेयर उनके लुक को परफेक्ट बना रहे हैं। उनका यह सिजलिंग लुक फैन्स को मदहोश कर रहा है। सोशल मीडिया पर यूजर्स श्वेता तिवारी की लाड़ली की तारीफ करते हुए नहीं थक रहे हैं। पलक तिवारी की इन तस्वीरों पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'बिजली का करंट, एनर्जी सेविंग मोड ऑन'। दूसरे यूजर ने लिखा, 'हॉट एंड खूबसूरत'। अन्य यूजर ने लिखा, 'आप बहुत ही खूबसूरत लग रही हैं पलक तिवारी'। फैन्स पलक की इन ग्लैमरस तस्वीरों को देखकर उनकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं। कुछ ही समय पहले डाली गई इन तस्वीरों को अब तक 67 हजार से अधिक लाइक्स मिल चुके हैं।

अनन्या पांडे ने 'लाइगर' डबिंग सेशन से शेयर की विजय देवरकोंडा की झलक देखें अभिनेता का लाइगर लुक

नई दिल्ली। साउथ सिनेमा के मशहूर अभिनेता विजय देवरकोंडा अपनी हिंदी सिनेमा डेब्यू फिल्म

लाइगर को लेकर पिछले लंब वक्त से सुखियों में बने हुए हैं। उनके फैंस भी फिल्म का काफी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। लाइगर में विजय देवरकोंडा के साथ बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं। इन दिनों फिल्म पोस्ट प्रोडक्सन के दौर में चल रही हैं। अब एक्ट्रेस अनन्या पांडे फिल्म के डबिंग सेशन की झलक अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा की है, जिसमें कि एक्ट्रेस की स्क्रीन पर अभिनेता विजय देवरकोंडा दिखाई दें रहे हैं। वीडियो को देख कर मालूम होता है कि, वो इस दौरान पिछले साल दिसंबर में रिलीज हुए शूट की डबिंग कर रही हैं। इस वीडियो को इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर कर उन्होंने लिखा, ये लाइगर का डब टाइम है। माइक टायसन ने पूरी की डबिंग हाल ही में धर्मा प्रोडक्शंस ने जानकारी दी थी कि, हॉलीवुड अभिनेता और किंक बॉक्सिंग चैंपियन माइक टायसन ने लाइगर में अपनी डबिंग को पूरा कर लिया है। आपको बता दें, अर्जुन रेड्डी बॉलीवुड में करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले पुरी जगननथ के निर्देशन में बनी फिल्म लाइगर से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में विजय देवरकोंडा स्ट्रीट फाइटर से लेकर एमएमए फाइटर का सफर तैय करते हुए दिखाई देंगे। फिल्म में उनके साथ एक्ट्रेस अनन्या पांडे और किंक बॉक्सिंग चैंपियन माइक टायसन भी मुख्य किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में इनके अलावा राम्या कृष्णन, रोनित रॉय, विशु रेड्डी जैसे कालकार में अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। माइक टायसन ने अमेरिका शेड्यूल में फिल्म की शूटिंग को किया था। ये फिल्म इन दिनों पोस्ट प्रोडक्शन फेज में है और जल्द ही फिल्म का काम पूरा होने की उम्मीद है। इस पैन इंडिया फिल्म को को पहले 25 अगस्त को रिलीज किया जाना था, लेकिन कोविड-19 प्रोटोकॉल्स के चलते लाइगर की रिलीज डेट को टाल दिया गया था। अब ये फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम के साथ-साथ कन्नड में 9 सितंबर, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

टीवी एक्ट्रेस कृतिका सेंगर ने बेबी बंप किया फ्लॉन्ट, माथे पर प्यार से किस करते दिखे थंगाबली निकितन धीर

नई दिल्ली। टीवी इंडस्ट्री से इन दिनों कई खुशखबरी आ रही हैं। हाल ही में कॉमेडियन भारती सिंह-हर्ष लिम्बाचिया ने अपने घर पर बेबी बॉय का स्वागत किया तो वही टेलीविजन के राम और सीता उर्फ देबिना बनर्जी और गुरमीत चौधरी भी प्यारी सी बेटी के माता-पिता बने। इन दोनों कपल्स के बाद अब छोटी सरदारनी एक्ट्रेस कृतिका

सेंगर और रोहित शेट्टी की फिल्म 'चेन्नई एक्सप्रेस' में थंगाबली की भूमिका निभाने वाले एक्टर निकितन धीर जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। कृतिका सेंगर ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पति निकितन के साथ एक बहुत ही खूबसूरत तस्वीर शेयर की है। पुनर्विवाह एक्ट्रेस कृतिका सेंगर ने पति निकितन धीर के साथ हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर हाल ही में दो खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर में कृतिका स्टूल पर बैठी हैं और उनके पति निकितन धीर बड़े ही प्यार से उनके बेबी बंप पर हाथ रखते हुए उनके माथे पर किस कर रहे हैं तो वही दूसरी तस्वीर ब्लैक एंड व्हाइट है और तस्वीर में इन दोनों का रोमांटिक अंदाज सभी का दिल जीत रहा है। इस तस्वीर में दोनों ब्लैक रंग के आउटफिट में काफी प्यारे लग रहे हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए कृतिका ने कैप्शन में लिखा, 'खुशियां जल्द ही आ रही हैं'। आपको बता दे टीवी के सेलिब्रिटी कपल कृतिका सेंगर और निकितन धीर ने बीते साल 12 नवंबर को सोशल मीडिया के जरिए अपने फैन्स को बताया था कि वह जल्द ही दो से तीन होने वाले हैं। उन्होंने कृतिका के साथ एक बहुत ही खूबसूरत तस्वीर शेयर की थी, जिसमें कृतिका ब्लू रंग के कफ्तान में नजर आ रही थीं और उनकी प्रेगनेंसी का ग्लो उनके चेहरे को और निखार रहा था। कृतिका सेंगर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और अपनी प्रेगनेंसी के दौरान इस समय को एन्जॉय करते हुए लगातार खूबसूरत तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर रही हैं। हाल ही में कृतिका सेंगर ने एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें उनका बेबी बंप साफ-साफ नजर आ रहा है।

रणबीर की शादी की खबरों के बीच डांस करती नजर आईं नीतू कपूर, रिपोर्टर से कहा सवाल मत पूछना

नई दिल्ली। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की शादी लगातार चर्चा में बनी हुई है। रिपोर्ट्स की माने तो ये दोनों 15 अप्रैल को पंजाबी रीति-रिवाज के साथ शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। इन दोनों

की शादी की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। हालांकि रणबीर कपूर की मां नीतू कपूर ने बेटे की शादी को लेकर चुप्पी साधी हुई है। जब भी मीडिया उनसे रणबीर और आलिया की शादी पर सवाल करती है तो वह कुछ इशारे करके सवाल को टाल देती हैं। हाल ही में नीतू कपूर का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह काफी खुश नजर आ रही हैं और डांस स्टेप्स से फैन्स का दिल जीत रही हैं नीतू कपूर की यह वीडियो उनके डांस रिएलिटी शो 'डांस दीवाने जूनियर' का है। जिसमें वह मास्टर मर्जी और नोरा फतेही के साथ नजर आ रही हैं। इस वीडियो को फोटोग्राफर विरल भयानी ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। वीडियो में नीतू कपूर मैरून रंग की साड़ी में बला की खूबसूरत लग रही हैं। कभी अपने बालों में क्लिप लगातीं, तो कभी डांस स्टेप करती हुई नीतू कपूर के चेहरे पर उत्सुकता देखते ही बन रही है। हालांकि नीतू इस वीडियो में मास्टर मर्जी से ये बताती हुई नजर आ रही हैं कि उनसे काफी सवाल मीडिया कर रही हैं, जिसके बाद मर्जी ने मीडिया से कहा, 'मैम को सवाल सुनकर टेंशन आता है', जिसके बाद नीतू कपूर ने बोला, 'बिलकुल भी सवाल नहीं पूछना'। नीतू कपूर का यह वीडियो फैन्स को काफी पसंद आ रहा है। उनके चेहरे की खुशी को प्रशंसक रणबीर कपूर की शादी से जोड़ रहे हैं। एक यूजर ने नीतू कपूर की मस्ती भरे वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा, 'मैं नीतू जी को एन्जॉय करते हुए देख रहा हूं, रणबीर कपूर के बड़े दिन को लिए उन्हें बहुत-बहुत बधाई'। दूसरे यूजर ने लिखा, 'हैप्पी मॉम'। अन्य यूजर ने नीतू कपूर को टाइमलेस ब्यूटी बताया। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'नीतू जी आप टाइमलेस ब्यूटी हैं और आपके सामने तो आज आलिया हो या नोरा सभी फेल हैं'। दिग्गज अभिनेत्री नीतू कपूर ने डांस दीवाने जूनियर के साथ टेलीविजन पर अपना डेब्यू किया। इस शो को उनके साथ नोरा फतेही और मास्टर मर्जी मिलकर जज कर रहे हैं। नीतू कपूर सेट पर कभी नोरा फतेही के साथ डांस करते हुए तो कभी मस्ती करते हुए तस्वीरें और वीडियो अपने सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं। नीतू कपूर के बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वह जल्द ही करण जौहर के प्रोडक्शन में बन रही फिल्म 'जुग-जुग जियो' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में नीतू कपूर के अलावा अनिल कपूर, कियारा आडवाणी और वरुण धवन मुख्य भूमिका में हैं।

जैकी भगनानी के जेजस्ट म्यूजिक ने वॉर्नर म्यूजिक इंडिया से मिलाया हाथ, भारतीय कलाकारों को देंगे गेम चेंजिंग प्लेटफॉर्म

नई दिल्ली। एक्टर जैकी भगनानी द्वारा साल 2019 में लॉन्च की गई म्यूजिक कंपनी जेजस्ट म्यूजिक और वॉर्नर म्यूजिक इंडिया ने संगीत जगत को और बेहतर बनाने के लिए एक-दूसरे के साथ हाथ मिलाया। इस डील के तहत वॉर्नर म्यूजिक इंडिया बॉलीवुड में अपना म्यूजिक रिलीज करेंगा, जबकि जेजस्ट म्यूजिक के कलाकारों को

वॉर्नर म्यूजिक के वैश्विक नेटवर्क से जुड़ने का मौका मिलेगा। इन दोनों की पहली ज्वाइंट रिलीज बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ द्वारा गाया गया इंग्लिश पॉप ट्रैक होगा। जेजस्ट म्यूजिक को आर्टिस्ट्स के क्रिएटिव विजन के साथ लॉन्च किया गया था, जो हर जॉनर के लोगों के गैर-फिल्म और फिल्म म्यूजिक के साथ रेसोनेट कर सकें। जेजस्ट म्यूजिक के लेबल में- वंदे मातरम फीट टाइगर श्रॉफ, प्रादा फीट आलिया भट्ट, और मस्कुरायेगा इंडिया फीट अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, आयुष्मान खुराना, कृति सनोन, विक्की कौशल, तापसी पन्नू और कई अन्य शामिल हैं। इस डील पर जेजस्ट म्यूजिक के फाउंडर जैकी भगनानी ने कहा, ठमैं वॉर्नर म्यूजिक इंडिया के साथ इस अद्वितीय सहयोग के माध्यम से भारतीय संगीत के लिए अपनी दृष्टि को जीवन में लाने के लिए रोमांचित हूं। भारतीय संगीत और कलाकारों को अंतर्राष्ट्रीय संगीत के रूप में एक एक्सपोजर, समर्थन और अवसर प्रदान करते हुए, यह सहयोग केवल हमारे रोस्टर पर कलाकारों द्वारा बनाए गए संगीत की गुणवत्ता को बढ़ावा देगा। वहीं वॉर्नर म्यूजिक और के मैनेजिंग डायरेक्टर जे मेहता कहते हैं, ठयह सहयोग हमें लाइव शो से ब्रांड साझेदारी में क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला में समर्थन प्रदान करके, हमारे कलाकारों के करियर की वैल्यू बढ़ाने में मदद करेगा। हम बॉलीवुड में शामिल होने के लिए उत्सुक हैं, लेकिन यह गैर-फिल्मी संगीत पेश करने वाले प्रतिभाशाली और रोचक कलाकारों को एक मंच देने के लिए प्रेरित करेगा। वॉर्नर म्यूजिक इंडिया के बारे में आपको बता दें कि यह 2020 में लॉन्च किया गया था। लेकिन वॉर्नर म्यूजिक इंडिया तेजी से भारत में पॉप कल्चर को बढ़ावा दे रहा है, इसमें सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ, अरमान मलिक और दर्शन रावल जैसे नाम शामिल है। कंपनी को अपने अंतरराष्ट्रीय रोस्टर के साथ पहले ही सफलता मिल चुकी है और एड शीरन, सीकेई, दुआ लिपा, एलेक बेंजामिन और मास्क बेंजामिन जैसे वैश्विक कलाकार धमाल मचा रहे हैं।

निर्माता गुनीत मोंगा ने बिजनेसमैन सनी कपूर से की सगाई, सोशल मीडिया पर सितारों ने दी बधाई

नई दिल्ली। मसान, पगलैट और लंच बॉक्स जैसी फिल्मों को प्रोड्यूस करने वाली फिल्म निर्माता गुनीत मोंगा ने सोमवार को बिजनेसमैन सनी कपूर से सगाई कर ली हैं। अपनी सगाई की खूबसूरत तस्वीरें

गुनीत मोंगा ने खुद अपने सोशल मीडिया पर शेयर की। इन तस्वीरों में गुनीत मोंगा साड़ी में काफी प्यारी लग रही हैं। अपनी सगाई के मौके पर उन्होंने ब्लू रंग की साड़ी पहनी और मांग टीका लगाया। गुनीत मोंगा की सगाई की खबर सामने आने के बाद बॉलीवुड सितारों ने भी निर्माता को सोशल मीडिया पर बधाई दी। अपनी सगाई की तस्वीर शेयर करते हुए गुनीत मोंगा ने अपनी भावनाएं व्यक्त कीनिर्माता गुनीत मोंगा द्वारा शेयर की गई इन तस्वीरों में वह कभी अपनी सगाई की अंगूठी दिखा रही हैं, तो किसी तस्वीर में उन्होंने बड़े ही प्यार से मंगेतर सनी कपूर के कंधे पर सिर रखा हुआ है। अन्य तस्वीर में वह कैमरे को देखते हुए पोज कर रही हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए गुनीत मोंगा ने कैप्शन में लिखा, 'कभी-कभी गलत ट्रेन आपको सही स्टेशन तक ले जाती है और वही पर आगे बढ़ते हुए मैंने अपने जीवनसाथी के रूप में सनी को पाया'। निर्माता ने अपनी सगाई के मौके पर अपनी मां की साड़ी पहनी और बताया कि उन्होंने सगाई माता-पिता के आशीर्वाद के साथ की है। गुनीत मोंगा ने जैसे ही ये खबर अपने फैन्स के साथ सोशल मीडिया पर शेयर की, सितारों और फैन्स ने उन्हें उनकी नई जिंदगी के लिए बधाई दी। एक्ट्रेस दिया मिर्जा ने उनकी तस्वीर पर कमेंट करते हुए लिखा, 'बधाई हो'। अंग्रेजी मीडियम एक्ट्रेस राधिका मदान ने लिखा**नई दिल्ली।**, 'बहुत ही खूबसूरत, बधाई हो'। रकुल प्रीत सिंह ने कमेंट करते हुए लिखा, 'ओह माय गॉड, बहुत-बहुत बधाई, भगवान करे ये नया सफर आपकी जिंदगी में बहुत सारी खुशियां लेकर आए'। इन सितारों के अलावा अनन्या पांडे, करण जौहर, एकता कपूर, क्रिस्टल डिसूजा, आहना कुमरा, राघव जुयाल सहित कई टीवी और बॉलीवुड कलाकारों ने उन्हें बधाई दी। 37 वर्षीय अपने काम के माध्यम से लगातार महिला सशक्तिकरण के लिए प्रयास करती हुई नजर आती हैं। गुनीत मोंगा ने डॉक्यूमेंट्री 'पीरियड एंड ऑफ सेंटेंस' में एक कार्यकारी निर्माता के रूप में भी काम किया, जिसे सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री लघु विषय के लिए 2019 अकादमी पुरस्कार मिला। गुनीत मोंगा ने मसान और लंच बॉक्स जैसी फिल्मों के साथ-साथ गैंग्स ऑफ वासेपुर, गैंग्स ऑफ वासेपुर 2, जुबान जैसी फिल्मों को भी प्रोड्यूस किया।

टीवी की इस बहू के साथ ब्वॉयफ्रेंड करता था गाली गलौज और मारपीट

नई दिल्ली। बॉलीवुड और टीवी के ऐसे कई सितारे रहे हैं जो फिल्मों के अलावा अपने रिलेशनशिप की वजह से भी चर्चा में रहते हैं। बहुत बार यह सितारे अपने रिलेशनशिप

के अच्छे और बुरे अनुभवों के बारे में खुलकर बात भी करते रहते हैं। अब टीवी की मशहूर अभिनेत्री आकांक्षा जुनेजा ने अपने रिलेशनशिप को लेकर खुलकर बात की है। साथ ही बताया है कि वह अब सिंगल क्यों हैं। अंग्रेजी वेबसाइट टाइम्स ऑफ इंडिया की खबर के अनुसार आकांक्षा जुनेजा ने खुलासा किया है कि एक समय वह बहुत ही खराब रिलेशनशिप में थीं। जिसमें उन्हें हिंसा और शोषण का शिकार होना पड़ा था। ऐसे में उस रिश्ता को खत्म करने के बाद से आकांक्षा जुनेजा सिंगल हैं। अभिनेत्री ने कहा, 'कलाकारों के रिश्तों हमेशा रडार पर रहते हैं। मेरे पास अपने रिश्ते को झूठ बोलने या छिपाने का कोई कारण नहीं है। मुझे इस सच से प्यार है कि मैं इस समय सिंगल हूं और मैंने अपने काम से शादी कर ली है'। साथ निभाना साथिया 2' की अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मैं एक गंभीर रिलेशनशिप में थी और वह तीन साल तक चला था। लेकिन फिर चीजें खराब हो गईं। मेरा पार्टनर गाली-गलौज करता था और मेरे साथ मारपीट करता था। गुस्सा ठंडा होने के बाद वह अपनी गलती स्वीकार करता था, माफी मांगता था और मैं उसे माफ भी कर देते थी। फिर यह एक दुष्चक्र जैसा बन गया। फिर वह अक्सर गाली-गलौज करता था इसलिए मैंने आखिरकार इस रिलेशनशिप से बाहर निकलने का फैसला किया।'

सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर रिलीज के लिए तैयार बच्चन पांडे

नई दिल्ली। अक्षय कुमार के फैंस के लिए खुशखबरी है। अगर अक्षय कुमार की फिल्म बच्चन पांडेय को सिनेमाघरों में देखने से चूक गये हों तो अब यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आने के लिए तैयार है। बच्चन पांडेय होली के मौके पर सिनेमाघरों में 18 मार्च को रिलीज हुई थी। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म

का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा और लगभग 50 करोड़ का लाइफ टाइम कलेक्शन ही कर सकी। अब यह फिल्म इसी हफ्ते ओटीटी पर आ रही है। बच्चन पांडेय 15 अप्रैल को अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम कर दी जाएगी। 2022 में अक्षय की यह पहली फिल्म है, जो सिनेमाघरों में रिलीज हुई और ओटीटी पर आने वाली भी पहली फिल्म है। प्राइम वीडियो पर इससे पहले अक्षय की बेलबॉटम आयी थी, जो पिछले साल सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और लगभग एक महीने बाद ही ओटीटी पर आ गयी थी। बच्चन पांडेय का निर्देशन फरहाद सामजी ने किया है, जबकि निर्माता साजिद नाडियाडवाला हैं। फिल्म में अक्षय के साथ कृति सेनन, जैकलीन फर्नांडिज, अरशद वारसी ने मुख्य भूमिकाएं निभायी हैं। प्राइम वीडियो पर फिल्म की स्ट्रीमिंग 240 देशों में की जा रही है। बच्चन पांडेय में अक्षय एक गैंगस्टर के रोल में हैं, जबकि कृति सेनन मायरा देवकर नाम का किरदार निभा रही हैं, जो एक उभरती हुई निर्देशक है और असली गैंगस्टर पर फिल्म बनाना चाहती है। खोजबीन करने पर मायरा को बच्चन पांडेय यानी बाघवा मिलता है, जो बेहद खूंखार और एक आंख वाला है। बच्चन पांडेय की एक हिस्ट्री भी है। कोरोना वायरस पैनडेमिक के दौरान अक्षय ने ओटीटी का रुख किया था, जो अभी भी जारी है। ओटीटी पर सीधे रिलीज होने वाली अक्षय की पहली फिल्म लक्ष्मी है, जो 2020 में डिजनी प्लस हॉटस्टार पर आयी थी। अतरंगी रे अक्षय की दूसरी फिल्म है, जो सिनेमाघरों को छोड़कर सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई। आनंद एल राय निर्देशित यह फिल्म पिछले साल 24 दिसम्बर को डिजनी प्लस हॉटस्टार पर आयी थी। अक्षय अब डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी निर्देशित पृथ्वीराज में नजर आने वाले हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका हैं। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते हैं। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए हैं। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे हैं इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे हैं। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं हैं ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डीजीईटी-6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मेंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

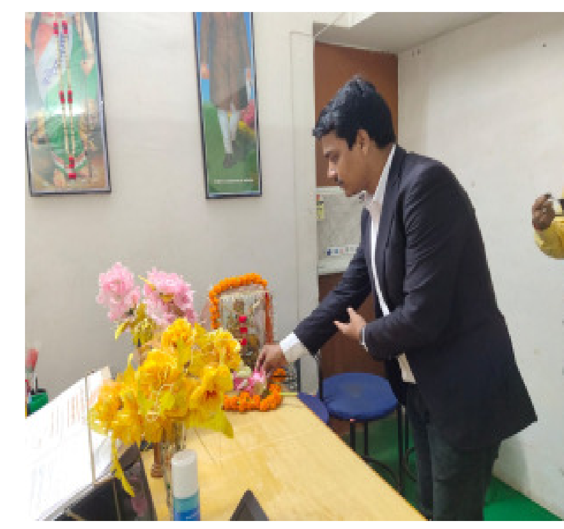

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

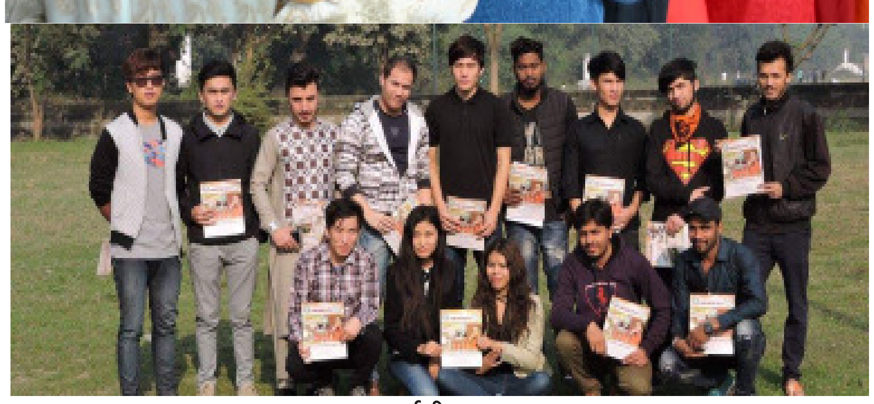

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में प्रस्तावित व्यवसायों में अगस्त 2021में प्रारम्भ होने वाले सत्र में प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कन्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया में प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय में सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए
visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुलसीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करे :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306080178, 9026359274